राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 30 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 02 दिसम्बर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में तेज रफ्तार मर्सिडीज कार ने 3 पैदल यात्रियों को कुचला

नईदिल्ली। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में देर रात एक दुर्घटना में एक राहगीर की मौत हो गई और 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि शव को मुर्दाघर में रखवा दिया। पुलिस कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त कार को जब्त कर लिया और आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी चालक का मेडिकल कराकर उसके नशे में होने का पता लगा रही है। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात वसंत कुंज इलाके में स्थित एम्बिएंस मॉल के सामने हिमाचल प्रदेश में पंजीकृत मर्सिडीज जी - वैगन कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और फुटपाथ पर चल रहे 3 लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पीड़ित कई मीटर दूर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उत्तराखंड के चमोली निवासी रोहित कुमार (23) को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंचने के बाद मर्सिडीज जी - वैगन कार क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी थी और तीनों घायल सड़क पर पड़े थे।

उत्तर भारत में अगले सप्ताह से पड़ेगी कड़ाके के ठंड

नईदिल्ली। पहाड़ी इलाकों की बर्फबारी के कारण आ रही सर्द हवाओं से उत्तर भारत में सर्दी ने जोर पकड़ा हुआ है। कई इलाकों में कोहरा देखा जा रहा है। दूसरी तरफ श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद चक्रवात दित्वाह का खतरा अब दक्षिण भारतीय राज्यों पर मंडरा रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, रविवार को चक्रवात तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों से टकराएगा। इसके चलते कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात दित्वाह के असर से तमिलनाडु और पुडुचेरी में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया है, जिससे कई इलाकों में बाढ़ के हालात बन गए हैं। समुद्र में उठ रही ऊंची लहरों को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

बौद्ध धरोहर का संरक्षण राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए: अमिताभ

नई दिल्ली। ग्रामीण बौद्ध धरोहर संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन, जिसे इंडियन ट्रस्ट फॉर रूरल हेरिटेज एंड डेवलपमेंट द्वारा आयोजित किया जा रहा है, आज डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में संपन्न हुआ। सम्मेलन में ग्रामीण बौद्ध धरोहर संरक्षण, समुदाय सहभागिता और प्रस्तावित राष्ट्रीय ग्रामीण धरोहर संरक्षण एवं विकास प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना पर गहन चर्चा हुई। यह सम्मेलन संस्कृति मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, इंटरनेशनल बौद्ध कन्फेडरेशन, गौतम बुद्ध।

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं

विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा-पीएम मोदी

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद 'ड्रामा' करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है. संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं. मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें ज.म्मिदारी की भावना से काम करने की ज.रूरत है. संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है. पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है; जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें. संसद नाटक के लिए जगह नहीं है; यह काम करने की जगह है. हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं. आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं. आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है. लेकिन संसद में,

ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर. बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी. विपक्ष ने इस बार भी कहा है कि संसद में एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा उसकी प्राथमिकता है और वह अपनी मांग शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएगा. मोदी ने कहा कि कुछ समय से संसद का इस्तेमाल या तो चुनावों के लिए कथित तैयारी के लिए या चुनाव में हार के बाद अपनी हताशा निकालने के लिए किया जा रहा है. बिहार चुनावों में विपक्ष की करारी हार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष चुनावी नतीजों से विचलित है और हार को पचा नहीं पा रहा. प्रधानमंत्री ने कहा, हार अवरोध पैदा करने का आधार नहीं बननी चाहिए, और जीत भी अहंकार में नहीं बदलनी चाहिए. उन्होंने कहा कि बिहार में रिकॉर्ड मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और विपक्ष को भी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए चुनावी हार के बाद के अवसाद से बाहर आना चाहिए. प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है. उन्होंने कहा, उन्हें अपनी रणनीति बदलनी चाहिए ङ्क मैं उन्हें कुछ सुझाव देने को तैयार हूं. उन्होंने सभी दलों से, संसद के उद्देश्य को समझने और हार की हताशा से बाहर आने की अपील की. प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ विपक्षी दलों के नेताओं के हालिया बयानों से लगता है।

दिल्ली समेत अन्य हवाई अड्डों पर हुआ साइबर हमला संसद में सरकार ने जीपीएस स्पूफ़िंग की बात कबूल किया

नवंबर महीने की शुरुआत में देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर हवाई सेवाओं के संचालन में भारी परेशानी देखने को मिली थी। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर करीब 800 उड़ानें प्रभावित हुईं। इस दौरान एटीसी की तरफसे ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम में खराबी बताया गया था। लेकिन अब केंद्र सरकार ने संसद में एक लिखित बयान में स्वीकार किया है कि दिल्ली समेत देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर साइबर हमला हुआ था, यानी इन सभी हवाई अड्डों पर आने और यहां से उड़ान भरने वाले विमान जीपीएस स्पूफ़िंग का शिकार हुए हैं। जीपीएस स्पूफ़िंग एक साइबर हमला है, जिसमें नकली सिग्नल भेजकर किसी भी डिवाइस को गलत लोकेशन दिखाई जाती है। जैसे आपके फ़ोन की लोकेशन अचानक चार किमी दूर दिखने लगे, वैसा ही विमानों के साथ होता है।

आयोग पर भड़के सीएम फडणवीस

बोले-पता नहीं किससे सलाह ले रहा आयोग

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर आगामी निकाय चुनाव स्थगित होने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग का चुनाव स्थगित करने का फैसला पूरी तरह से गलत है। पैठण में मीडिया से बात करते हुए सीएम ने कहा कि अंतिम समय में चुनाव स्थगित करना उन उम्मीदवारों के साथ अन्याय है, जो नामांकन की पूरी प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। मुख्यमंत्री फ्डणवीस ने कहा,

'विचाराधीन याचिकाओं के चलते कुछ जगहों पर निकाय चुनाव स्थगित करने का फैसला अन्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय है।' मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग के चुनाव स्थगित करने के फैसले की वैधानिकता पर सवाल खड़े किए। सीएम ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि निर्वाचन आयोग किससे सलाह ले रहा है।

वसंत कुंज रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के निवासी नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 मंज़िला तीन मल्टी-स्टोरी टावरों के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ़ प्रोटेस्ट करते हुए।

कैजुअल अप्रोच न रखें अधिकारी

अवैध ड्रग्स कारोबार पर त्वरित कार्रवाई हो-योगी

लखनऊ/ एजेंसी

सीएम योगी ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को सफ्ल, प्रभावी और सिटीजन सेंट्रिक पुलिस अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' का मंत्र दिया है। सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ औपचारिक भेंट के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और

अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें। मुख्यमंत्री ने कहा, जनपदों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिया बड़ा आदेश

सुप्रीम ने कहा-पहले डिजिटल अरेस्ट घोटाले की जांच करें..

नई दिल्ली। एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज सीबीआई को अहम निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने देश की संघीय जांच एजेंसी से कहा कि वह पहले अखिल भारतीय स्तर पर सामने आ चुके डिजिटल अरेस्ट घोटाले के मामलों की जांच करे। सुप्रीम कोर्ट ने विपक्षी राजनीतिक दलों के शासन वाले राज्यों- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों से भी डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े मध्यस्थों को भी निर्देश दिए।

अदालत ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से संबंधित घटनाओं की जांच में सीबीआई को पूरा विवरण मुहैया कराएं और सहयोग भी प्रदान करें। कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि जांच एजेंसी टैक्स के पनाहगाह विदेशी ठिकानों और देशों से संचालित साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की सहायता ले। साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के इस अतिसंवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को भी नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने पूछा कि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया? कोर्ट ने केंद्र सरकार के दूरसंचार विभाग से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि देश में चल रही टेलिकॉम कंपनियां एक यूजर को कई सिम कार्ड उपलब्ध न कराएं। अदालत ने इस बात को रेखांकित किया ।

मध्य प्रदेश के रतलाम स्कूल में कक्षा 8 के छात्र ने तीसरी मंजिल से लगाई छलांग

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम में एक 13 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर के स्केटिंग खिलाड़ी ने अपने स्कूल की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी, क्योंकि उसके प्रिंसिपल ने उसे करियर खत्म करने, निलंबित करने और पदक छीनने की धमकी दी थी। यह घटना शुक्रवार को डोंगरे नगर स्थित एक निजी स्कूल में हुई और इसने संस्थान के अंदर अनुशासन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। छात्र का अस्पताल में उपचार जारी है और उसकी हालत स्थिर है। अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार को छात्र नियमों के विरुद्ध अपना मोबाइल फोन स्कूल में ले आया और कक्षा के अंदर वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

प्रधानमंत्री सबसे बड़े ड्रामेबाज

पीएम के बयान पर कांग्रेस का पलटवार-मुद्दों पर चर्चा करें.....

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए उन निशाना साधा है और प्रधानमंत्री को सबसे बड़े ड्रामेबाज तक कह दिया। कांग्रेस का यह बयान तब आया है, जब संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि विपक्ष संसद में ड्रामा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष से पराजय की बौखलाहट को भुलाकर संसद में सार्थक चर्चा करने की अपील की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक

पोस्ट में आरोप लगाया कि लोगों के असल मुद्दों को सुलझाने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर ड्रामेबाजी की है। खरगे ने कहा कि 'सरकार बीते 11 वर्षों से लगातार संसदीय मर्यादा और व्यवस्था को रौंद रही है और ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त मौजूद है।' खरगे ने लिखा, 'भाजपा को अब लोगों का ध्यान भटकाने वाले इस ड्रामे को खत्म करके संसद में असल मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और लोगों का सामना करना चाहिए।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'आम आदमी बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक असमानता और देश के संसाधनों की लूट से जूझ रहा है। जो लोग सत्ता में हैं, वे ड्रामेबाजी का खेल खेल रहे हैं और सत्ता के अहंकार से भरे हैं।' खरगे ने कहा, 'एसआईआर प्रक्रिया में काम के बोझ के कारण बीएलओ लगातार जान दे रहे हैं। विपक्ष, वोट चोरी सहित अन्य मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहता है और संसद में हम इसे लगातार उठाएंगे।

कोलकाता में बीएलओ का भारी विरोध प्रदर्शन

निर्वाचन आयोग के दफ्तर के बाहर हुआ जमकर हंगामा

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को यहां सीईओ कार्यालय के बाहर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बलढ़ानी पड़ी. विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने अपना विरोध तेज कर दिया, नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया. हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी. पुलिस ने शुभेंदु अधिकारी के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था . हालांकि, भाजपा प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए. समिति के सदस्य बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. उन्होंने दोपहर को अपना आंदोलन तेज कर दिया. समिति के सदस्यों ने

विपक्ष के नेता को निशाना बनाते हुए वापस जाओ के नारे लगाए, जिससे बाहर एकत्र हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनकी तीखी बहस शुरू हो गई. बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रही समिति का आंदोलन सोमवार को तेज हो गया. बीएलओ फ़ेरम के सदस्य भारी कार्यभार का हवाला देते हुए एसआईआर की समय सीमा में दो महीने का विस्तार तथा मृतक बीएलओ के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं.अधिकारियों ने कहा कि अब तक धरने में वास्तविक बीएलओ की सीमित भागीदारी देखी गई थी, लेकिन गतिरोध बलढ़ने के साथ भीड़ बलढ़ती गई. सीईओ कार्यालय के अंदर, शुभेंदु अधिकारी ने एक ज्ञापन प्रस्तुत किया और कई मांगें उठाईं, जिनमें सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को हटाना, एसडीओ रैंक से कम के कर्मी को ईआरओ पद से हटाना और मतदाता सूची से बांग्लादेशी मुसलमानों के नाम हटाना शामिल था. शुभेंदु अधिकारी ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि भाजपा ने 17,111 बूथों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और 14 दिसंबर के बाद होने वाली सुनवाई की सख्त निगरानी की मांग की है.

निर्वाचन अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ी

चुनाव आयोग ने कोलकाता के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर निर्वाचन आयुक्त की सुरक्षा में चूक को गंभीर बताते हुए निर्वाचन अधिकारियों की सुरक्षा कड़ी करने का निर्देश दिया था। बता दें कि एसआईआर प्रक्रिया में लगे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) काम का भारी दबाव होने का आरोप लगा रहे हैं। बीएलओ के अनुसार एसआईआर प्रक्रिया के चलते उन्हें तनाव झेलना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा,जो तृणमूल सरकार एसआईआर के खिलाफबोलती है, वह बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को मानदेय क्यों देगी? उन्हें भुगतान करना ही होगाज एसआईआर के खिलाफबोलना सही नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने आईजी को सौंपा ज्ञापन, मुकेश साहू प्रकरण में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

राजनांदगांव। अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर शमसूल आलम ने सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक श्री शांडिल्य को सिटी कोतवाली थाने में लंबित प्रकरण पर शीघ्र व निष्पक्ष कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि दो माह पूर्व मुकेश साहू पर तीन नाबालिग युवकों ने आंख में मिर्ची डालकर जानलेवा हमला किया था, जिसकी शिकायत तत्काल सिटी कोतवाली में की गई थी। सीसीटीवी फुटेज में तीनों आरोपी पहचाने गए थे, जिनमें से दो को पुलिस ने पकड़कर समझाइश देकर छोड़ दिया था, जबकि एक आरोपी फरार बताया गया था। आरोप है कि एक माह बाद फरार युवक राज यादव पुन: क्षेत्र में दिखा और मोहल्ले की एक महिला के संरक्षण में उसने मुकेश साहू के साथ गाली-गलौज कर विवाद उत्पन्न किया। विवाद के बाद दोनों पक्षों ने थाना सिटी कोतवाली में आवेदन दिया था। ज्ञापन में कहा गया कि थाना प्रभारी द्वारा काउंटर रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन दिया गया था, परंतु बाद में एकपक्षीय कार्रवाई करते हुए मुकेश साहू को रातभर थाने में रोककर अगले दिन अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया। वहीं मुकेश साहू के आवेदन पर अब तक कोई कार्रवाई न होने का आरोप भी लगाया गया है। जमानत पर रिहा होने के बाद जब मुकेश साहू ने थाना प्रभारी से अपने आवेदन पर कार्रवाई का प्रश्न किया, तो कथित रूप से गोलमोल जवाब देकर बात को टाल दिया गया। इसके बाद थाना प्रभारी द्वारा मुकेश को जिलाबदर करने हेतु कलेक्टर कार्यालय में प्रस्ताव भेजे जाने की भी शिकायत ज्ञापन में की गई है। संगठन का आरोप है कि शहर में कई आदतन अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, किंतु उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती, जबकि मुकेश साहू पर द्वेषपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। आईजी शांडिल्य ने ज्ञापन प्राप्त कर तत्काल पुलिस अधीक्षक से जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। ज्ञापन सौंपने के दौरान कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम के साथ प्रार्थी मुकेश साहू, विधानसभा अध्यक्ष नमन पटेल, जिला महासचिव ऋषभ रामटेके, शहर अध्यक्ष बिलाल सोलिन खान, अनवर खान, आकाश पटेल, साहिल खान, आकाश गेडाम, नेतराम पटेल, पंकज सिन्हा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजीव दीक्षित मंच ने जयंती व पुण्यतिथि पर राजीव भाई को याद किया

राजनांदगांव। मैं भारत को भारत की भारतीयता के आधार पर फिर से खड़ा करना चाहता हूं, और उस काम में लगा हुआ हूं। उपरोक्त कथन से अपना परिचय देने वाले स्वदेशी की अवधारणा को अपने में समाहित कर लेने वाले आजादी बचाओ आन्दोलन के प्रखर व मुखर वक्ता भाई राजीव दीक्षित जी की पुण्यतिथि व जन्मतिथि के अवसर पर राजीव दीक्षित मंच-छत्तीसगढ़ ने स्वदेशी विचार संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। माता-पिता श्रीमती मिथिलेश कुमारी, राधेश्याम दीक्षित के घर पर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 30 नवम्बर, 1967 जन्म लिए राजीव जी की मृत्यु 30 नवम्बर, 2010 को तिरालीस वर्ष की अवस्था में छत्तीसगढ़ प्रदेश के भिलाई नगर में हुई थी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर से एम टेक की शिक्षा प्राप्त करने उपरांत वे स्वदेशी की विचारधारा से प्रेरित हुए तथा राष्ट्र हित में विभिन्न आंदोलनों के सूत्रधार हुए। स्वदेशी का अलख जगाने उन्होंने पूरे देशभर की यात्राएं कर संपर्क अभियान चलाया। काफी समय पूर्व साहित्यिक तपोभूमि नगरी राजनांदगांव के जैन-बगीचा में भी वे अपने आख्यान हेतु आमंत्रित हुए हैं। यह उनकी सत्तावनवी जयंती तथा पंद्रहवीं पुण्यतिथि है। मंच के संस्थापक अध्यक्ष श्री आनन्दकुमार श्रीवास्तव ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए कहा कि स्थानीय लेबर कालोनी के सामुदायिक भवन के हाल में संपन्न इस कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने भाई राजीव दीक्षित जी के तैल चित्र पर तिलक व माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वक्तागण आरपी श्रीवास्तव समाजसेवी, राकेश कुमार सोनी छात्र-पंचगव्य चिकित्सा, बसंत साहू ट्रेड यूनियन लीडर आदि ने भी भाई राजीव दीक्षित जी के राष्ट्रहित में अवदानों को कृतज्ञ भाव से याद करते हुए अपने विचार साझा किए।

तरेकेला आश्रम की भूमि विवाद पर,दानदाता व आश्रम समर्थकों ने उठाई आवाज, फर्जी दस्तावेज़ों का आरोप

बसना(समय दर्शन)। तरेकेला ग्राम स्थित कबीर तरेकेला आश्रम की भूमि को लेकर विवाद एक बार फिर गहराता दिखाई दे रहा है। आश्रम के दानदाता परिवार और कबीर कुटी के समर्थकों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सन 1929 में उनके पूर्वज रायसिंह दाऊ ने सार्वजनिक हित और आध्यात्मिक उद्देश्य से यह जमीन आश्रम निर्माण के लिए दान में दी थी, ताकि यहाँ कबीर कुटी का निर्माण हो सके और श्रद्धालुओं में आस्था जागृत रहे।

दानदाता परिवार का आरोप है कि आश्रम की वही जमीन आज किसी व्यक्ति विशेष, गोपाल दास, ने फर्जी कागजातों और भ्रामक दस्तावेज़ों के सहारे अपने नाम करा ली है, जो पूरी तरह गलत और

आश्रम हितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह भूमि न तो किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति थी और न हो सकती है—यह सार्वजनिक दान की जमीन है, जिसे व्यक्तिगत नाम पर दर्ज कराना गंभीर अपराध है।

'तीन पिता' के दस्तावेज़ सामने आए, महंत लखन मुनि दास ने की कड़ी निंदा- कबीर कुटी समर्थकों ने प्रेस के समक्ष जो दस्तावेज़ प्रस्तुत किए, उनमें गोपाल दास के पिता के नाम तीन अलग-

अलग रूप में दर्ज हैं।

आधार कार्ड में अलग नाम,वोटर ड्डष्ठ में अलग नाम,बैंक पासबुक में फिर अलग नाम- समर्थकों ने आरोप लगाया है कि भूमि हस्तांतरण के लिए इन विरोधाभासी दस्तावेज़ों का उपयोग किया गया, जिससे पूरा प्रकरण संदिग्ध साबित होता है।

आश्रम के महंत लखन मुनि दास ने इसे आस्था पर हमला बताते हुए इसकी घोर निंदा की। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर आश्रम की जमीन हथियाने जैसा कृत्य अस्वीकार्य है और इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्रामीणों ने भी उठाई आवाज- ग्रामीणों का कहना है कि गोपाल दास पहले स्वयं सार्वजनिक तौर पर कह चुका है कि उसे तारकोल गांव से कोई मतलब नहीं—लेकिन अब वही व्यक्ति बाहर से आकर आश्रम की जमीन पर दावा ठोक रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उसने ड्डकबीर कुटी की जमीन को अपने नाम दर्ज कराने के लिए धोखाधड़ीपूर्ण दस्तावेज़ों का सहारा लिया है। दानदाता परिवार और समर्थकों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर जमीन को पुन: आश्रम के नाम दर्ज करने की मांग की है।

आगामी आयोजन : 5 फरवरी से 7 दिवसीय भागवत कथा- कबीर कुटी समर्थकों ने बताया कि आश्रम परिसर में 5 फरवरी से सात दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वृंदावन से पधारी कथा वाचिका द्वारा कथा का वाचन होगा।

उन्होंने सभी श्रद्धालुओं और ग्रामवासियों से इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

सिलादेही और केरा के मध्य में स्थित हसदेव नदी पर बना पुल की हालत खराब

बिर्रा (समय दर्शन)। सिलादेही और केरा के मध्य में स्थित हसदेव नदी के ऊपर बने पुल की हालत बहुत खराब हो गई है। पुल कुछ ही सालों में बहुत ज्यादा जर्जर हो चुका है। यह पुल जांजगीर चांपा, सक्ती , बलौदा बाजार, सारंगढ़ , रायगढ़, बिलासपुर, महासमुंद ,रायपुर आदि कई जिलों को जोड़ने वाला एकमात्र पुल है। इस पुल से रोजाना हजारों की तादात में दो पहिया, चार पहिया वाहन और यात्री बसें के अलावा बड़े-बड़े भारी वाहन आवागमन करते हैं। इस पुल में जगह-जगह बड़े-बड़े गढ़ा होने और सरिया के झांकने से आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जांजगीर चांपा जिला के जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत अंतिम छोर पर स्थित ग्राम सिलादेही और जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत केरा के मध्य में हसदेव नदी के ऊपर बने पुल समुचित देख रेख एवं मरम्मत के अभाव में बहुत ज्यादा खराब हो गया है। इस पुल से जांजगीर चांपा, सक्ती , बलौदा बाजार, सारंगढ़ , रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा,महासमुंद ,रायपुर आदि कई जिलों को जोड़ने वाला यह क्षेत्र का एकमात्र पुल है। इस पुल से रोजाना हजारों की तादात में दो पहिया, चार पहिया वाहन और यात्री बसें के अलावा बड़े-बड़े भारी भीमकाय वाहन आवागमन करते हैं। इस पुल में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढा होने और सरिया के झांकने से आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना हजारों की तादाद में भारी भारी वाहनों के चलने से सिलादेही और केरा के मध्य में हसदेव नदी के ऊपर में बने इस पुल में जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढा हो गया है। पुल के ऊपर में बने दर्जनों गड्ढा के कारण राहगीरों और दो पहिया वाहन चालकों को अपनी जान हथेली पर लेकर चलना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में पुल के ऊपर बने बड़े-बड़े गड्ढे में पानी भर जाने के कारण गड्ढा दिखाई नहीं देता है। लेकिन अब धूल के अंबार लगने के कारण वाहन चालकों के कई वाहन पलट चुके हैं। ठेकेदार ने विभाग के अधिकारियों से सांठ गांठ करके एकदम घटिया व निम्न स्तर का निर्माण सामग्री से पुल बनाया है। इसलिए महज कुछ ही सालों में पुल के ऊपर में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। पुल में बने बड़े-बड़े गड्ढे पुल निर्माण की घटिया स्तर को उजागर करता है। इस पुल से रोजाना हजारों लोगों के द्वारा अपनी जान जोखिम में डालकर आवागमन कर रहे हैं। इसके बावजूद सेतु निगम के अधिकारी कर्मचारी कुर्सी में बैठकर कार्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। पुल के ऊपर में डामर की मोटा परत चढ़ाने के बजाय इसकी सुध तक नहीं ले रहे हैं।

बहरहाल कारण चाहे जो भी हो सिलादेही एवं केरा के मध्य में स्थित हसदेव नदी के ऊपर में बने पुल में बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना आवागमन करने वाले वाहन चालकों ने जांजगीर चांपा जिला के कलेक्टर महोदय से पुल की शीघ्र ही मरम्मत करवाने की मांग किए हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन कार्यक्रम में सुनी आमजनों की समस्याएं

प्राप्त सभी आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समयबद्ध निराकरण करने के दिए निर्देश

आज जनदर्शन में कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं को प्राथमिकता के साथ और समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आज तहसील शिवरीनारायण के ग्राम केरा निवासी श्री चंद्रशेखर प्रसाद द्वारा सीमांकन करवाने, तहसील पामगढ़ के ग्राम मुलमुला निवासी श्री राजेन्द्र कुमार सिंह द्वारा भूमि स्वामी अधिकार पत्र जारी करने, ग्राम तनौद निवासी श्री शांति लाल श्रीवास द्वारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटवाने, जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम महमदपुर निवासी श्रीमती मोंगरा बाई श्रीवास द्वारा राशन कार्ड बनवाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने जल आवर्धन के कार्यों का किया समीक्षा

कलेक्टर ने ठेकेदारों को लगाया फटकार

सारंगढ़ बिलाईगढ़/कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ठेकेदारों, कार्यपालन अभियंता की उपस्थिति में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल आवर्धन, समूह जल प्रदाय के कार्यों का समीक्षा किया। धीमा कार्य और कार्य बंद रखने वाले ठेकेदारों को कलेक्टर ने फटकार लगाया और नोटिस जारी किया। उन्होंने कहा कि, ऐसे ठेकेदार जो श्रमिक बढ़ाकर कार्य नहीं कर रहे हैं उनका भुगतान रोकें। बरमकेला नगर पंचायत में पाइप लाइन के कार्य को पूरा करने सप्ताहवार लक्ष्य निर्धारित कर पूरा करें। बैठक में ईई कश्यप ने जल आवर्धन से सारंगढ़ में 50 प्रतिशत पानी उपलब्ध कराने की बात कही। बैठक में ठेकेदार कावेरी कंस्ट्रक्शन ने भद्रा रीवांपार परियोजना के लिए आ रही बाधाओं के बारे में जानकारी दिया, जिस पर कलेक्टर ने ब्लॉकवार सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि उनका निराकरण किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि सभी परियोजना के लिए श्रमिकों का अलग समूह करें ताकि कार्य शीघ्र पूरा हो। सभी श्रमिकों का श्रम विभाग में पंजीयन कराएं और योजनाओं का लाभ श्रमिक और उनके परिजनों को दिलाएं। उन्होंने ठेकेदारों को कहा कि, जहां पाइपलाइन या पानी टंकी का कार्य धीमी प्रगति पर है, उसे शीघ्र दोबारा शुरू कर समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें।

धीमा कार्य करने पर कावेरी कंस्ट्रक्शन को नोटिस- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कहा कि, कोई विवाद नहीं है वहां काम क्यों नहीं हुआ। कलेक्टर ने धीमी कार्य पर ठेकेदार कावेरी कंस्ट्रक्शन को नोटिस जारी कर जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रति सप्ताह उसके कार्यों का समीक्षा किया जाएगा।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने समूह जल प्रदाय के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए- सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में 3 समूह जल प्रदाय योजना संचालित है। इसमें मिरोनी बैराज पर भद्रा रीवांपार परियोजना के 84 गांव, बरगांव कंचनपुर परियोजना के 102 गांव और घोठला छोटे हरदी परियोजना के 69 गांव के कितने पूर्ण अपूर्ण कार्य का विस्तृत समीक्षा किया। इन स्थानों में कार्यों को गुणवत्ता के साथ फरवरी 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, एसडीओ बी एल खरे, डिप्टी कलेक्टर मधु गवेल, सीएमओ दीपक विश्वकर्मा और ठेकेदारों को दिए, इसमें इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, रा वाटर, क्लियर वाटर, पंप, मल्टीविलेज आदि कार्य शामिल है।

स्वास्थ्य सेवा जन जन तक पहुंचाना मेरा संकल्प : विधायक चातुरी नंद

भंवरपुर में आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर में 350 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित

227 जरूरतमंदों को नि:शुल्क चश्मा, 223 का बीपी शुगर जांच सहित अन्य मरीज हुए लाभांवित

बसना(समय दर्शन)। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद के विशेष प्रयासों और वृद्धजन कल्याण एवं समाज सेवा संस्था द्वारा भंवरपुर में आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर में ग्रामीणों की भारी उपस्थिति रही।

शिविर में 350 से अधिक ग्रामीणों ने अपनी आँखों और स्वास्थ्य की जाँच कराई, जिनमें से 227 से अधिक व्यक्तियों को नि:शुल्क चश्मा प्रदान किया गया, वहीं 223 से अधिक लोगों की बीपी, शुगर सहित अन्य सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई।

शिविर का शुभारंभ विधायक चातुरी नंद ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर स्थल पर उपस्थित ग्रामीणों, विशेषकर वरिष्ठजन और महिलाओं से चर्चा करते हुए उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता और महत्त्व पर विस्तार से अपनी बात रखी।

विधायक चातुरी नंद ने कहा कि ड्डहमर बुजुर्ग मन हमर सच्चा अभिमान हें। मैं हमेशा मानती हूँ कि किसी भी समाज की असली समृद्धि उसके बुजुर्गों की

मुस्कान और उनके स्वास्थ्य में बसती है। आज इस शिविर में जिस तरह बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पहुँचे, उससे यह स्पष्ट है कि ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना कितना जरूरी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग समय पर जांच न करा पाने की वजह से छोटी-छोटी समस्याओं को भी नजरअंदाज़ कर देते हैं, जो आगे चलकर बड़ी बीमारी का रूप ले लेती हैं। लेकिन ऐसे नि:शुल्क शिविर लोगों को राहत देने का काम करते हैं। हमारी कोशिश है कि सरायपाली क्षेत्र का कोई भी बुजुर्ग, महिला, किसान या मजदूर बिना जांच और उपचार के न रहे।

स्वास्थ्य से जुड़ी हर सुविधा को गाँव-गाँव पहुँचाना ही हमारा संकल्प है। आने वाले समय में भी हम और अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेंगे, ताकि लोगों को घर के पास ही जरूरी जांच और उपचार मिलता रहे। मैं वृद्धजन कल्याण एवं समाज सेवा संस्था सहित सभी स्वास्थ्यकर्मियों और मितानिन बहनों को धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने इस शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधायक नंद ने शिविर में आए सभी लाभार्थियों को उचित परामर्श और उपलब्ध सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिविर में उपस्थित कार्यकर्ताओं, डॉक्टरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सराहना की और कहा कि जनता के सहयोग से ही ऐसे आयोजन अपनी पूर्णता प्राप्त करते हैं।

शिविर में विधायक प्रतिनिधि एवं जनपद सदस्य घसिया सिदार, ग्राम पंचायत भंवरपुर के सरपंच कृष्ण कुमार सिदार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रवण पटेल, सत्या भोई, विधायक प्रतिनिधिगण भरत मेश्राम, दीपक साहू, तन्मय पंडा, लीलाकांत पटेल, पुरन पटेल, मनोज पटेल, डोला पटेल, चंदरु पटेल, नवधा नायक, दयाराम चौहान, कुशल चौहान, ग्रामीण चिकित्सा सहायक डॉ श्रीकांत साहु, डॉ शोभा शर्मा, स्वास्थ्यकर्मी नेत्र सहायक चिकित्सा अधिकारी दुर्जय प्रधान, रोहित कुमार चौहान, धनेश्वर प्रसाद पटेल, पुष्पेंद्र चंद्रा, सी एच ओ पुष्पांजलि भोई, त्रिजा कंवर, दुर्गेश कुमार देवांगन, तिलक राज देवांगन, नोहरमती सिदार, वेदमती सिदार, मितानिन गण संतोषी डड़सेना, लावण्या वती, गंगा पटेल, मीरा वैष्णव, सत्यभामा डड़सेना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे जिन्होंने सक्रिय रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में नेचर फॉर्मिंग को बढ़ावा देने, खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी की प्रशंसा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 128 वीं कड़ी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 128वीं कड़ी को सुना और इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देश की बातों को देशवासियों के सामने रखते हैं और हर माह राष्ट्र को प्रेरणादायक संदेश देते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जनभागीदारी और उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान दिलाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में लगे समर्पित लोगों को सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, विभिन्न राज्यों में शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां, शहद उत्पादन में वृद्धि, नौसेना सशक्तिकरण, नेवल म्यूजियम, नेचर फॉर्मिंग के महत्व, तथा सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता की प्रस्तुति और लातविया सहित कई देशों में आयोजित गीता महोत्सवों के भव्य आयोजनों की प्रशंसा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नेचर फॉर्मिंग के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और यहां के किसान व युवा उद्यमी इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज के 'मन की बात' में प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई उपयोगी जानकारियाँ अत्यंत प्रेरक हैं। प्रधानमंत्री ने स्पेस टेक्नोलॉजी में जेन-ज़ी युवाओं द्वारा मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन परीक्षण, असफल चंद्रयान-2 से सफल चंद्रयान-3 की प्रेरणादायी कहानी, महिला खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव, कुरुक्षेत्र में ही महाभारत आधारित 3D लाइट एवं साउंड म्यूज़ियम, राष्ट्र को समर्पित स्वदेशी डिज़ाइन वाले युद्धपोत 'आईएनएस माहे', भूटान यात्रा, बनारस में आयोजित होने वाले चौथे 'काशी तमिल संगमम', विंटर टूरिज्म एवं विंटर गेम्स, तथा 'वोकल फॉर लोकल' के तहत देशभर में चल रहे नवाचारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विश्व के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं और 'मन की बात' के माध्यम से वे सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक आयामों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ देशवासियों तक पहुँचाते हैं। उनके अनुभवों का खजाना हमें यह सीख देता है कि 'लोकल को ग्लोबल' कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी स्वयं रायपुर में मौजूद हैं और इसी दौरान हमें 'मन की बात' सुनने का अवसर मिला।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'मन की बात' में 26 नवंबर 'संविधान दिवस' के अवसर पर सेंट्रल हॉल में आयोजित विशेष कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर देशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शानदार शुरुआत, 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा के आरोहण तथा उसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में 'पांचजन्य' स्मारक के लोकार्पण की जानकारी साझा की।

संक्षिप्त समाचार

वर्ष 2025-26 में बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में 26 हजार 400 पीएम आवास निर्माण स्वीकृत

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब परिवारों को पक्का मकान प्रदान करने का क्रांतिकारी कदम है जो ना केवल आवास की कमी को दूर करती है बल्कि ग्रामीण जीवन को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाती है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराने एवं समय-सीमा में पूर्ण कराने कलेक्टर बलौदाबाजार के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी ग्राम पंचायतो में आवास चौपाल का आयोजन कराया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2025-26 हेतु जिले में 26 हजार 400 आवास निर्माण को स्वीकृत किया गया, जिसमें से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्योत्सव के अवसर पर 25 हजार 580 हितग्राहियों के खाते में पहली किश्त की राशि जारी की गई। आवास चौपाल का आयोजन सभी ग्राम पंचायतों में तकनीकी अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है, जिसमे, सभी नवीन स्वीकृति उपरांत राशि प्राप्त आवास के हितग्राही, पूर्व वर्षो के स्वीकृति उपरांत अपूर्ण आवास के हितग्राही, राजमिस्त्री, निर्माण, सामाग्री सप्लायर, सरपंच, सचिव एवं अन्य संबंधित शामिल होते हैं। आवास निर्माण की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना। रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराना। सौर सुजला के तहत सौर पैनल लगवाने की जानकारी देना शामिल है। वर्ष 2025-26 में प्रथम क़िस्त जारी 25 हजार 580 आवास के हितग्राहियों को क़िस्त जारी किए गए हैं। सभी आवासों का निर्माण कार्य प्रारंभ कराना। योजना के तहत कन्वर्जेन्स के माध्यम से मिलने वाले अन्य लाभ का जानकारी देना। राजमिस्त्री एवं निर्माण सामग्री की उपलब्धता पर पंचायतों में आवास चौपाल में चर्चा की जा रही है । अब तक बलौदाबाजार में 56, भाटापारा 34, कसडोल में 24 और पलारी 22 पंचायतों में आवास चौपाल करा किया गया है। इस चौपाल में पूर्व वर्षो के आवासों को जल्दी पूर्ण कराना।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण पारदर्शी और निःशुल्क योजना है जहां किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नही लिया जाता। कलेक्टर बलौदाबाजार ने कहा है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा अनाधिकृत वसूली, कमीशन या सुविधा शुल्क की मांग नहीं कर सकता। यदि कोई व्यक्ति आवास पास कराने, क़िस्त जल्दी दिलाने या अन्य किसी बहाने से पैसा की मांग करता है, अनाधिकृत वसूली करने पर, तत्काल शिकायत जनपद पंचायत सीईओ, सीईओ जिला पंचायत या कलेक्टर कार्यालय में दर्ज करायें। ऐसे मामलों का त्वरित जांच कर दोषी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

जल है तो कल है और अमृत सरोवर इस 'कल' को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय संकल्प है

रायपुर। भारत में जल हमेशा से जीवन, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी रहा है। लेकिन समय के साथ बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और भूजल स्तर में लगातार गिरावट ने गाँवों में पानी की उपलब्धता को चुनौतीपूर्ण बना दिया। इसी पृष्ठभूमि में देशभर में शुरू हुए च्अमृत सरोवरज्ञ अभियान ने जल-संरक्षण को एक नए स्वरूप और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाया है। यह सिर्फ एक तालाब निर्माण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी, पर्यावरण-संरक्षण और ग्रामीण विकास का समन्वित मॉडल बन चुका है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुए इस राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य प्रत्येक जिले में अनेक च्अमृत सरोवरज्ञ विकसित करना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़े, मिट्टी व जल संरक्षण हो और स्थानीय समुदाय को स्थायी लाभ मिल सके। अमृत सरोवर की संकल्पना तीन प्रमुख आधारों पर टिकी है- जल संचयन, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण समुदाय की भागीदारी। इस मॉडल में गाँव का हर व्यक्ति पंच-सरपंच से लेकर श्रमिक, किसान और युवा अपनी सक्रिय भूमिका निभाता है। जल है तो कल है और अमृत सरोवर इस 'कल' को सुरक्षित रखने का राष्ट्रीय संकल्प है एक अमृत सरोवर का निर्माण मात्र मिट्टी खुदाई या सफाई भर नहीं है। इसके साथ कई दीर्घकालिक प्रावधान सुनिश्चित किए जाते हैं। गहरी खुदाई कर बड़ी जल क्षमता का निर्माण, तल एवं तटों पर घास/वनस्पति रोपण, चारों ओर सुरक्षा तटबंध, वर्षा जल संग्रहण के वैज्ञानिक प्रबंध, आसपास वृक्षारोपण कर जल संरक्षण चक्र को मजबूत करना, गाँव के लिए पर्यटन/मनोरंजन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाएं तलाशना भी है। इससे सरोवर केवल पानी का स्रोत नहीं, बल्कि पूरे गाँव की पर्यावरणीय और सामाजिक धुरी बन जाता है।

क्यों आवश्यक है अमृत सरोवर?

ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्षों में पानी की कमी और बरसाती जल का बहाव एक गंभीर समस्या बन चुका था। अमृत सरोवर इसके जवाब में एक समग्र समाधान बनकर उभरा- भूजल स्तर में वृद्धि, कृषि के लिए सिंचाई सुविधा में सुधार, पशुओं के लिए सुरक्षित पानी की उपलब्धता, बाढ़ नियंत्रण में सहायता, सूखे की समस्या में राहत, पर्यावरणीय संतुलन मजबूत होती है। इन सभी प्रभावों ने अमृत सरोवर को ग्रामीण विकास योजनाओं में केंद्र बिंदु बना दिया है।

दंतेवाड़ा एवं सुकमा जिले ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए कुल 11 स्वास्थ्य संस्थाओं का सफलतापूर्वक NQAS मूल्यांकन कराया गया

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को तेजी से जमीन पर उतार रही है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQAS) के तहत हाल ही में राज्य के आकांक्षी जिले दंतेवाड़ा व सुकमा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। पिछले पंद्रह दिनों में यहां कुल 11 स्वास्थ्य संस्थानों का सफलतापूर्वक मूल्यांकन पूरा हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के तकनीकी सहयोग से इन जिलों में सफलतापूर्वक मूल्यांकन किया गया है.

विदित हो कि सुकमा जिले के 4 और दंतेवाड़ा जिले के 7 संस्थान इस मूल्यांकन में शामिल रहे। सुकमा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बुरड़ी, उप स्वास्थ्य केंद्र कंजिपानी (छिंदगढ़), किस्टाराम व गगनपल्ली (कोंटा) तथा दंतेवाड़ा में उप स्वास्थ्य केंद्र बड़े बचेली, बड़े कमेली (दंतेवाड़ा), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फरसपाल, उप स्वास्थ्य केंद्र मडसे (गीदम), मेलावाड़ा, अरनपुर व कोड़ेनार (कुआकोंडा) ने NQAS मूल्यांकन में भाग लिया।

दुर्गम क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाओं का विस्तार

इनमें कोंटा ब्लॉक का किस्टाराम उपस्वास्थ्य केंद्र विशेष रूप से सुर्खियों में है। जिला मुख्यालय से करीब 200 किलोमीटर और ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है। दो राज्यों की सीमाएं पार कर पहुंचने वाली इस कठिन भौगोलिक स्थितिकी चुनौतियों के बावजूद यहां कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों ने सेवा गुणवत्ता का स्तर बनाए रखा है।

नक्सल प्रभावित व दूरस्थ क्षेत्रों में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि स्वास्थ्य अधिकार सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इन 11 संस्थानों का NQAS मूल्यांकन इस तथ्य का प्रमाण है कि संसाधन सीमित हों या सुरक्षा चुनौतियां—जनस्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता यदि अडिग हो, तो उत्कृष्टता की राह अवश्य बनती है।

सरकार का दावा है कि ऐसे प्रयासों से अब आदिवासी बहुल एवं दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को भी पहले से अधिक सुगम, भरोसेमंद व गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो रही हैं।

किसानों के लिए आय में वृद्धि का नया अध्याय पीएम-आशा योजना

रायपुर। प्रधानमंत्री-अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलहन एवं तिलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की गई, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और दाल उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य है। योजना का उद्देश्य कृषकों से दलहनी तथा तिलहनी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय करना है।

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम.आशा) एक व्यापक सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करके लाभकारी मूल्य दिलाना है। इसमें तीन मुख्य घटक शामिल हैं: मूल्य समर्थन योजना मूल्य स्थिरीकरण कोष , और मूल्य घाटा भुगतान योजना है । इसका मुख्य लक्ष्य किसानों की आय को बढ़ाना और उनकी आय के संरक्षण की दिशा में काम करना है। इस योजनांतर्गत राज्य में उत्पादित किये जाने वाली अरहर, उड़द एवं मसूर का शत् प्रतिशत उपार्जन तथा शेष फसलों यथा मूंगफली, सोयाबीन, मूंग, चना, सरसों का राज्य के उत्पादन का 25 प्रतिशत उपार्जन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी प्रापण संस्थाओं (प्रोक्योरमेंट एजेंसीज) नाफेड तथा एनसीसीएफके माध्यम से किया जायेगा। सबसे खास बात यह है कि सरकार न केवल दालों के उत्पादन को बढ़ाकर देश को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है, बल्कि किसानों की आमदनी को बढ़ाना चाहती है। सरकार चाहती है कि दाल उगाने वाले किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा मिले और उनकी फसल की समय पर खरीद की जा सके। इसी दिशा में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) शुरू किया गया है, जो किसानों की आर्थिक सुरक्षा को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस कदम है। इसके तहत किसानों की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की जाएगी। पीएम-आशा के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत जिले में 5 उपार्जन केन्द्रों विकासखंड बलौदाबाजार जिले में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बलौदाबाजार, विकासखंड पलारी में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति अमेरा, विकासखंड भाटापारा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति धुर्राबांधा, विकासखंड कसडोल में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कसडोल, विकासखंड सिमगा में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति सिमगा का नाम शासन द्वारा अधिसूचित किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा का किया निरीक्षण

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, साजा का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपचार ले रहे मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा की और उनसे मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग और सेवाओं के विस्तार का सकारात्मक परिणाम आज स्वास्थ्य संस्थानों में दिखाई दे रहा है। मरीजों को समय पर उपचार और बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री जायसवाल ने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और जहां आवश्यक हो, वहां स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं अस्पताल प्रबंधन को दिए।

उप मुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने तैयारियों की समीक्षा की

बस्तर ओलंपिक के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 11 से 13 दिसम्बर तक

रायपुर। उप मुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक-2025 के संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में 11 दिसम्बर से 13 दिसम्बर तक इसका आयोजन किया जाएगा। बस्तर ओलंपिक के जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के तीन हजार विजेता खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। करीब 500 नक्सल पीड़ित और पुनर्वासित नक्सली भी इन स्पर्धाओं में हिस्सेदारी करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के रायपुर के सिविल लाइन स्थित निवास कार्यालय में हुई बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार भी शामिल हुए। संभागायुक्त श्री डोमन सिंह और पुलिस महानिरीक्षक श्री सुंदरराज पी. के साथ बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायतों के सीईओ तथा खेल अधिकारी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है।

यह बस्तर के युवाओं के सशक्तीकरण और उनमें नेतृत्व के विकास की पहल है। राज्य सरकार बस्तर के युवाओं को खेल, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना चाहती है। उन्होंने संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं के सफल और उत्कृष्ट आयोजन के लिए सभी विभागों को परस्पर समन्वय के साथ पुख्ता तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिभागियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की कमी या खामी नहीं छोड़ते हुए आयोजन स्थलों, खेल प्रबंधन, आवास, साफ-सफाई, भोजन, परिवहन, सुरक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों इत्यादि के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं बनाने को कहा। श्री साव ने कहा कि बस्तरवासियों के साथ ही देश और दुनिया में बस्तर ओलंपिक का बहुत अच्छा और सकारात्मक संदेश जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक के आयोजन से जुड़े सभी विभागों और अधिकारियों को इसे यादगार बनाने अपनी-अपनी भूमिका और कार्यों के अनुरूप दायित्वों का गंभीरता व सक्रियता से वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने बस्तर के युवाओं को खेलों से जोड़ने तथा उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रेरित करने स्थानीय लोगों के साथ ही ज्यादा से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बस्तर ओलंपिक के संभाग स्तरीय आयोजन से जोड़ने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को पिछले बस्तर ओलंपिक के विजेताओं और इस बार के विजेताओं को यूथ-आइकॉन बनाकर ज्यादा से ज्यादा गतिविधियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा जिससे अन्य लोग भी प्रेरित हों। बस्तर जिले के प्रभारी खेल अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी ने बैठक में बताया कि बस्तर ओलंपिक में भाग लेने के लिए संभाग के सभी 32 विकासखंडों के कुल तीन लाख 91 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने अपना पंजीयन कराया था। विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताओं के दस हजार से अधिक विजेता खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय स्पर्धाओं में भागीदारी की। जिला स्तरीय आयोजनों के करीब तीन हजार विजेता संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। संभाग स्तरीय स्पर्धाओं में लगभग 500 नक्सल पीड़ित और पुनर्वासित नक्सली भी हिस्सेदारी करेंगे। 11 खेलों एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साखींच में ये अपना खेल कौशल दिखाएंगे।

चुनाव आयोग ने SIR की समय सीमा बढ़ाई, ये है नया शेड्यूल...

रायपुर । चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन की समय-सीमा 7 दिन बढ़ा दी है। आयोग ने पुराने आदेश को रद्द कर नया शेड्यूल जारी किया है। अब एन्यूमरेशन, मतदान केंद्रों के पुनर्गठन, ड्राफ्ट रोल की पब्लिकेशन और क्लेम-ऑब्जेक्शन की पूरी प्रक्रिया नई तिथियों के अनुसार होगी।

यह विस्तार उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर लागू होगा जहां स्क्रूक पहले से जारी थी। इनमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। आयोग ने कहा कि मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतित बनाने के लिए यह कदम जरूरी था। पहले SIR की अंतिम तिथि 4 दिसंबर थी। अब 7 दिन के विस्तार के बाद नई अंतिम तिथि 11 दिसंबर हो गई है।

संपादकीय

भारत की कठिनाइयां बढ़ी

शेख हसीना के खिलाफ ट्रिब्यूनल के फैसले से बांग्लादेश में सियासी मेलमिलाप की संभावना और घट गई है। दूसरी तरफ इससे भारत की कठिनाइयां बढ़ी हैं। देश छोड़ने के बाद से हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री भारत में रह रहे हैं। जब किसी देश में सत्ता तंत्र में आमूल बदलाव आ जाता है, तो पूर्व शासन से संबंधित अधिकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई या उन पर चले मुकदमों की निष्पक्षता हमेशा संदिग्ध रहती है। ऐसे मामलों में अक्सर बदले की भावना से कार्रवाई होती है, जिसमें अभियुक्तों को अपना बचाव करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। बांग्लादेश में जो हुआ, वह भी इस सामान्य चलन से अलग नहीं है। बांग्लादेश के कथित इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी माना है और उन्हें सजा-ए-मौत सुना दी है। यही दंड हसीना सरकार में गृह मंत्री रहे असदुजम्मां खान कमाल को भी सुनाया गया है। ट्रिब्यूनल ने हसीना को उन कथित अपराधों के लिए दोषी पाया, जो पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान हुए थे। इन प्रदर्शनों में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई। ट्रिब्यूनल के ताजा फैसले से बांग्लादेश में सियासी मेलमिलाप की संभावना और घट गई है। दूसरी तरफ इससे भारत की कठिनाइयां बढ़ी हैं। अगस्त 2024 में देश छोड़ने के बाद से हसीना और कमाल दोनों भारत में रह रहे हैं। अब चूंकि वे दोनों सजायाफ्ता मुजरिम हैं, इसलिए उन्हें पनाह दिए रहना भारत के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि है। बांग्लादेश ने इसके तहत शेख हसीना और कमाल को वापस भेजने की मांग रख दी है। इसे नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा, क्योंकि उस स्थिति में बांग्लादेश संधियों एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति भारत की वचनबद्धता पर सवाल खड़े करेगा। लेकिन दोनों को सजा-ए-मौत देने के लिए बांग्लादेश भेजने से अपने लिए अनुकूल रहे नेताओं को संरक्षण देने में भारत की विफलता का संदेश जाएगा। स्पष्टत: यह एक मुश्किल चुनौती है, जिसमें वर्तमान सरकार के कूटनीति कौशल का इम्तहान होगा। पिछले साल सत्ता परिवर्तन के बाद से बांग्लादेश के रुख से भारत के लिए अन्य मुश्किलें भी बढ़ी हैं। खासकर पाकिस्तान के साथ उसकी बढ़ी निकटता से भारत के सामने सुरक्षा एवं विदेश नीति संबंधी नई चुनौतियां दरपेश आई हैं। अब प्रत्यर्पण संधि के पालन का सवाल इसमें एक नया पेंच बन कर जुड़ गया है।

नीतीश के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व

अजीत द्विवेदी

क्रिकेट के खेल की तरह राजनीति को भी अनिश्चितताओं का खेल माना जाता है। लेकिन नीतीश कुमार ने इसको भी इतनी प्रेडिक्टेबल बना दिया है कि जिसको राजनीति की ज्यादा समझ नहीं होती है वह भी कहता है कि बिहार के मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। इसके बाद मजाकिया अंदाज में यह भी कहा जाता है कि चाहे जिसके साथ बनाएं लेकिन सरकार नीतीश ही बनाएंगे। हालांकि अब आगे शायद ऐसा नहीं हो पाए क्योंकि विधानसभा में संख्या का हिसाब इस बार कुछ अलग है। बहरहाल, चुनाव नतीजों में एनडीए के जीते विधायकों की बड़ी संख्या को छोड़ दें तो कुछ भी चौंकाने वाला नहीं है। चुनाव नतीजे और सरकार का गठन वैसे ही हुआ है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। चूंकि यह लगातार पांचवीं बार नीतीश कुमार की निरंतरता के लिए दिया गया जनादेश है इसलिए नई सरकार को कोई हनीमून पीरियड भी नहीं दिया जा सकता है। इसका अर्थ है कि पहले दिन से सरकार को अपने किए गए वादों को पूरा करने के लिए काम करना होगा और पहले दिन से हिसाब मांगा जाएगा।

ध्यान रहे सरकार के सामने कम से कम अभी राजनीतिक चुनौती नहीं है। हालांकि आगे इसके आसार हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से जिस समय अपना मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास होगा उस समय चुनौती आएगी। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव तक ऐसा नहीं होगा। सरकार के सामने कोई प्रशासनिक चुनौती भी नहीं है क्योंकि नौकरशाही वही है, जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार के साथ काम कर रही है। उनकी पसंद के अधिकारी सभी महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं और उनको पता है कि सरकार को किस एजेंडे को प्राथमिकता में रख कर काम करना है। इस बार चुनाव में भाजपा और जनता दल यू के बीच पहले से बेहतर तालमेल दिखा है। अब यह देखना होगा कि शासन चलाने में दोनों का तालमेल वैसा ही रहता है या नहीं?

माना जा रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी सरकार पर पहले से ज्यादा नियंत्रण रखने का प्रयास करेगी। इसके तीन कारण हैं। एक कारण तो यह है कि नीतीश कुमार की सेहत पहले जैसी नहीं है और वे खुद रोजमर्रा के कामकाज को संभालने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेते हैं। दूसरा कारण यह है कि भाजपा को बहुत ज्यादा सीटें मिली हैं। वह बिहार विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, ऐसा पहली बार हुआ है। तीसरा कारण यह है कि बिहार में विकास की और लोक कल्याण की योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से ज्यादा आवंटन मिलने की संभावना है, जिसके लिए बेहतर तालमेल की आवश्यकता है। फिर सवाल है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है? सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजस्व की है। चुनाव से पहले सरकार ने जो वादे किए हैं उन वादों को पूरा करने के लिए बड़े राजस्व की जरुरत है। यहां यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पहले नीतीश का विपक्ष लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव होते थे, जो सरकार के ऊपर ज्यादा हमले नहीं करते थे क्योंकि उनको उम्मीद लगी रहती थी कि कब नीतीश के साथ सरकार बनाने का मौका मिल जाए! दूसरे वे हमला करते थे तो लोग उनसे उनके राज के बारे में पूछने लगते थे। लेकिन अब प्रशांत किशोर के रूप में बिहार में एक सजग विपक्ष मौजूद है, जिसके ऊपर पहले के शासन का कोई बैगेज नहीं है। उन्होंने कहा भी है कि सरकार की योजनाओं और वादों को पूरा करने पर उनकी नजर रहेगी। वे इसमें सरकार की विफलता का मुद्दा उठाएंगे। सरकार की शपथ के दिन महात्मा गांधी के भितिहरवा आश्रम में एक दिन का उपवास करके उन्होंने अपने इरादे बता दिए हैं।

बस्तर में हो रहा है सुनहरा सवेरा...

नंदन जैन

जब किसी भी समस्या के समाधान के प्रति नेतृत्व की इच्छा शक्ति सच्चे अर्थों में सक्रिय होती है, तो बड़ी से बड़ी चुनौती भी घुटने टेक देती है। नक्सलवाद के संदर्भ में जो परिणाम आज देश देख रहा है, वह केन्द्र और राज्य सरकारों के संकल्पित प्रयासों का ही फल है। जो बस्तर कभी लाल आतंक का प्रमुख गढ़ माना जाता था, वहां अब स्थायी शांति अपना आधार मज़बूत कर रही है।

हिंसा का खेल खेलने वाले नक्सली चौतरफा सरकारी प्रयासों के चलते या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या कार्रवाई में ढेर हो रहे हैं। दूसरी ओर, जिन अंदरूनी इलाकों तक दशकों तक विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी थी, वहां आज सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वास्तविक रूप ले रही हैं। पिछली उदासीन सरकारों और स्वार्थी माओवादियों ने जिन आदिवासियों को छला और लोकतंत्र से दूर रखा, वही समुदाय आज विकास की मुख्यधारा में जुड़ रहा है। भले ही नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा हो, लेकिन इसके दशकों पुराने घाव बेहद गहरे हैं। सैकड़ों जवानों और निर्दोष नागरिकों की हत्या, विकास से पूरी पीढ़ियों को वंचित रखना और भय का वातावरण ये सब नक्सलवाद की भयावह विरासत रही है। 2000 के दशक की शुरुआत में इसकी ताकत चरम पर थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों और संकल्प के अभाव में कांग्रेस सरकारें इस खतरे पर निर्णायक प्रहार नहीं कर सकीं।

उस दौर में बस्तर से लेकर राजनांदगांव, गरियाबंद और कवर्धा तक आतंक की जड़ें फैल चुकी थीं। नक्सलियों का लक्ष्य दंतेवाड़ा से दिल्ली तक लाल झंडा फहराने का था, जिसे अर्बन नक्सल नेटवर्क से भी समर्थन मिलता था। लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इस गंभीर खतरे को नज़रअंदाज़ कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 200 जिले माओवादी आतंक की चपेट में आ गए और विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ। इसके विपरीत, आज मोदी सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार ने स्पष्ट रूप से समझा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को उनके हाल पर छोड़कर देश पूर्ण विकास प्राप्त नहीं कर सकता। मजबूत इच्छा शक्ति और कठोर कार्रवाई के परिणाम आज सामने हैं। आज बस्तर ही नहीं पूरा दंडाकारण्य क्षेत्र विकास का नया अध्याय लिखने को आतुर है। यह क्षेत्र भगवान राम के वनवास काल से जुड़ा है, बस्तर में रामपाल गांव, रामाराम मंदिर (सुकमा), राकसहाड़ा और कांगेर घाटी नेशनल पार्क भी भगवान राम से संबंधित हैं। नक्सलवाद के खग्रास ग्रहण से अब बस्तर मुक्त हो रहा है। अब एक बार फिर यहां भगवान राम का गौरव स्थापित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में विष्णुदेव साय सरकार यहां राम राज्य स्थापित के लिए संकल्पित है। यही फर्क है एक तरफ इच्छा शक्ति वाली सरकार और दूसरी तरफ उदासीन शासन की नाकामी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश का विपक्ष भी इस सफलता को नकारात्मक चश्मे से देखने में लगा है। कुछ नेता यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि बस्तर में उद्योगपतियों के लिए जमीन तैयार करने हेतु नक्सलवाद का सफाया किया जा रहा है। इससे भी अधिक खतरनाक यह है कि कुछ राजनीतिक बयानबाजी नक्सलियों को आदिवासियों का संरक्षक और जंगलों का रक्षक बताने लगती है। यह सीधेसीधे एक क्रूर, हिंसक विचारधारा को जीवित रखने की कोशिश है जो भविष्य के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

हिड़मा के बहाने हिंसा का पोषण- हाल ही में मुठभेड़ में मारे गए दुर्दांत नक्सली कमांडर हिड़मा को लेकर कुछ लोग उसके हमदर्द के रूप में सामने आए हैं। कुछ तो उसे बस्तर का रक्षक तक बताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस राजनीतिक चाल से सावधान रहने की आवश्यकता है। हिड़मा कोई निर्दोष व्यक्ति नहीं था; उसके हाथ सैकड़ों लोगों के खून से सने हुए थे। ऐसे हिंसक व्यक्ति को आदर्श या प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना, उसे महिमामंडित करना—नक्सलवाद को पोषित करने जैसा ही है। यह दुर्दांत हत्यारा बस्तर का आदर्श कैसे हो सकता है?

हद तो तब होती है जब दिग्विजय सिंह जैसे बड़े कांग्रेसी नेता हिड़मा को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करते हैं। जिनके मुख्यमंत्री रहते हुए अविभाजित मध्यप्रदेश में बस्तर को कालापानी की सजा कहा जाता था, उस दौरान ही नक्सलियों ने यहां अपनी जड़ें मजबूत कीं। दिग्विजय सिंह के शासनकाल में ही वर्ष 1995 में हिड़मा सहित कई युवा सरकारी उपेक्षा के कारण लाल आतंक की राह पर चल पड़े थे ।

हमारा स्पष्ट मानना है कि भगवान बिरसा मुंडा, महान योद्धा गुंडाधुर, परलकोट के राजा गेंद सिंह और शहीद वीर नारायण सिंह ही आदिवासी समाज के वास्तविक आदर्श हैं। आदिवासी समाज हिड़मा या बसव राजू जैसे हिंसक व्यक्तियों को अपना हीरो नहीं मान सकता, क्योंकि उसकी परंपरा सदियों से इन्हीं महान नायकों को पूजती आ रही है।

भविष्य के लिए घातक है ये गैरजिम्मेदाराना सियासत- यदि बस्तर में नक्सलवाद के उभार के मूल कारणों को याद करें तो सबसे प्रमुख कारण था आदिवासियों का प्रशासनिक तंत्र द्वारा शोषण और लगातार उपेक्षा। तब की कांग्रेस सरकारें न केवल बस्तर बल्कि देश के तमाम आदिवासी क्षेत्रों के प्रति उदासीन थीं। इसी खालीपन का फायदा उठाकर आंध्रप्रदेश से आए माओवादी यहां जड़ें जमाने में सफल हुए।तत्कालीन कांग्रेस सरकार की शह पर 25 मार्च 1966 को बस्तर महराज प्रवीरचंद भंजदेव की हत्या हो या पुलिस अत्याचार इन घटनाओं ने सरकार और आदिवासियों के बीच अविश्वास की गहरी खाई बना दी। इसी खाई में माओवादियों ने अपनी जड़ें गहरी कीं और दशकों तक समानांतर शासन चलाते रहे। गौरतलब है कि प्रवीरचंद भंजदेव बस्तर में आदिवासियों में बेहद लोकप्रिय थे, वे सरदार वल्लभभाई पटेल के समक्ष विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले पहले राजाओं में से एक थे, इसके चलते पटेल के साथ उनके करीबी संबंध बन गए थे। भजदेव ने कुछ और रियासतों को भी विलय कराने में मदद की थी, इसलिए भी कांग्रेस में एक बड़े खेमे को वे चुभने लगे थे। पटेल के नहीं रहने के बाद उनके योगदान को कमतर करने की कोशिश आजादी के बाद कांग्रेस सरकारों द्वारा हुई ये किसी से छुपी नहीं है। भंजदेव का कांग्रेस नेतृत्व के साथ मतभेद का परिणाम था कि उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दिया था और पार्टी छोड़ दी थी इसके बाद कांग्रेस के साथ उनका मतभेद बढ़ता चला गया, आखिरकार पुलिस ने बेरहमी से गोलियां बरसाते हुए दरबार हाल के पास ही इस महानायक की हत्या कर दी गई । यह ऐतिहासिक भूल कांग्रेस आज भी दोहरा रही है नक्सलवाद के सफाए को लेकर भ्रम फैलाकर।

इसलिए आज आवश्यकता है कि इस नए भ्रमवाद से सावधान रहा जाए। नक्सलवाद के सफाए के इस निर्णायक चरण में देश को एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए, न कि झूठे भ्रम और राजनीतिक चश्मे से इस राष्ट्रीय उपलब्धि को कमजोर करने का प्रयास करना चाहिए।

भाजपा के सामने विपक्ष एक पॉप-अप दुकान

श्रुति व्यास

कितना हैरानी भरा है यह! आप चाहें तो सिर पकड़ लें, मन टूटता महसूस करें, चिंता में घुल जाएँ, पर सच दो टूक, अडिग खड़ा है। फिर साबित हुआ है कि लोकसभा चुनाव में झटके के बाद राज्यों में भाजपा का लगातार जीतते जाना केवल संगठन की वजह से नहीं बल्कि प्रबंधकीय कौशल से है। और इसके लिए भाजपा को नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी व अमित शाह को ही श्रेय देना होगा। यह जोड़ी अबाध है। महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार—हर जगह ऐसी सहजता के साथ विजय पाई है कि विपक्ष फिलहाल को प्रासंगिकता के लिए भी हांफता हुआ है।

विधानसभाओं में विपक्ष अब किसी भूत-सा दिखाई देता है। उपस्थिति केसिर्फ नाम, सिद्धांत में जबकि प्रभाव में लगभग अनुपस्थित। भाजपा की रणनीति इतनी सूक्ष्म, इतनी परतदार, कि आलोचना भी निरर्थक है, भीतर की ओर धंसती हुई है।

कल सुबह मुझे एक फोन आया। गहरी झुँझलाहट से भरी आवाज़ में लगभग कराहते पूछा - विपक्ष ने बिहार चुनाव का बहिष्कार ही क्यों नहीं कर दिया? आखिर तूफ़ान में बिना आसरा, बिना रणनीति और बिना कथा उतरने का मतलब क्या था?

यह कटु व चौंकाने वाली सोच है। पर ऐसे ख्याल, ऐसी भावना फैल रही है। अब विमर्श यह नहीं पूछ रहा कि भाजपा इतनी निर्णायक जीत कैसे हासिल कर रही है? प्रश्न अब कहीं अधिक ठंडा, अधिक चुभता हुआ है, विपक्ष क्यों हैरान कर देने वाली अयोग्यता बार-बार दोहरा रहा है? जो सवाल कल तक भाजपा की चुनावी मशीनरी पर होते थे, आज विपक्ष की मूर्खताओं पर पूछे जा रहे हैं, यह कि आने वाला तूफान दिखा क्यों नहीं? यही वह मोड़ है जहाँ देश का मनोभाव लड़खड़ाने लगा है। यह केवल भय नहीं। यह पूरी निराशा भी नहीं। यह कुछ और गहरा है: ऐसा अहसास कि मुकाबला टॉस से पहले ही खत्म हो चुका है। कि संस्थाएँ टिक नहीं पाएँगी, नागरिक थक कर समायोजित हो जाएँगे। कि आक्रोश छह घंटे ट्रेंड करेगा और रात के खाने से पहले गायब हो जाएगा। क्योंकि भाजपा, चाहे आप उसकी प्रशंसा करें या आलोचना, वर्चस्वता को स्वाभाविक दिखाने की कला में निपुण हो चुकी है। दुख की बात यह है कि विपक्ष ने प्रयास करना ही लगभग बंद कर दिया है।

ध्यान रहें: यह केवल संख्या का खेल नहीं। यह विचारधाराओं का टकराव भी नहीं। यह सत्ता की भौतिकी है, जिसे भाजपा अस्थि-मज्जा तक समझती है। वे चुनाव लड़ते नहीं, इंजीनियर करती हैं। वे मौसमों की नहीं, युगों की तैयारी में लगे हैं। और तब यह गहरा सवाल सामने आता है—जब जीत ही लोकतंत्र की अकेली भाषा बन जाए, और विपक्ष बोलना ही भूल जाए, तब लोकतंत्र का क्या बचता है?

पिछले ग्यारह वर्षों में विपक्ष समझ ही नहीं पाया कि मोदी और शाह चुनावों से रचे-बसे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए चुनाव दृश्यांकन हैं—नारे, मंच, और वह अभेद्य कवच जो जीत उन्हें पहनाती है। शाह के लिए चुनाव प्रदर्शन नहीं, वास्तुकला हैं, नापतौल, गणित, ठंडा, तेज, अडिग। यदि मोदी मिथक हैं, तो शाह गणना हैं। वहीं विपक्ष चुनाव ऐसे लड़ता है जैसे मौसम हों, आते-जाते, अस्थायी। भाजपा की 24×7 राजनीतिक मशीनरी के सामने विपक्ष एक पॉप-अप दुकान है।

बिहार को ही देख लें। तेजस्वी यादव ने 2024 लोकसभा में खूब शोर मचाया। जिलों में दौरे, मुसलमान-यादव आधार को सक्रिय करने की कोशिश, और कुछ हद तक एक युवा, तेजतर्रार विपक्षी चेहरे की झलक। पर नतीजे सामने आते ही और वोट-टू-सीट रूपांतरण होते ही गति थम गई। तेजस्वी भी। बाद के महीनों में वे कम दिखाई दिए। राजनीति सड़कों से हटकर उनकी सक्रियता पारिवारिक खटास, भाइयों के झगड़े और संगठनात्मक ढिलाई में बदल गई। वे न युवा बिहार के प्रतीक बने, न ही नीतीश कुमार का विकल्प। और जब 2025 विधानसभा चुनाव के ठीक पहले वे अवतरित हुए—राघोपुर, सभाएँ, भाषण, वादे—तब तक बहुत देर हो चुकी थी। लापरवाही जमीन पर गुल खिला चुकी थी। भाजपा गठबंधन पहले ही जमीन कस चुका था।

यही विपक्ष का गहरा संकट है—वे भाजपा से अधिक विपक्ष अपने भीतर नाटक रचता हैं। मोदी के तमाशे का प्रतिपक्ष गढ़ने के बजाय वे खुद अपना तमाशा बन जाते हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस आत्मस्वीकारोक्ति बन जाती हैं, अहंकार विचारधारा से ऊँची आवाज़ में टकराता है, और कथा का एकमात्र सूत्र बचता है—ढहना, फ्लॉप होना। वे सरकार का उतना विरोध नहीं करते, जितना एक-दूसरे का। यह वक्त कहानी माँगता है जबकि वे कोरियोग्राफी देते हैं। भाजपा जहाँ सत्ता का प्रदर्शन करती है, विपक्ष विघटन और खींचतान का।

सो विपक्ष का सार है नेता बहुत मगर नेतृत्व बहुत कम। ताज के दावेदार अनेक, पर दृष्टि का कालखंड किसी के पास नहीं।

इसलिए यह क्षण केवल भाजपा की उपलब्धि का नहीं, विपक्ष की निष्क्रियता, उसकी असल हकीकत का भी है। यदि 2014 में देश ने मोदी में आशा देखी थी, तो 2024 की झिलमिल सेकंडभर की उपलब्धियों में एक दूसरी संभावना भी दिखी थी—एक आशा के भीतर दूसरी आशा। पर आज, डेढ़ वर्ष बाद, वह भाव पतला पड़ चुका है। और शायद इसी कारण इस बार भाजपा की जीत असाधारण लगती है—क्योंकि परिणाम चौंकाता नहीं, क्योंकि उसके रास्ते में कुछ था ही नहीं। कोई प्रतिद्वंद्वी विचार नहीं, कोई टक्कर देती कल्पना नहीं, कोई अलग भारत का सपना नहीं।

यही असली ख़तरा है। तो हाँ, अब मुझे यह लिखने में रुचि नहीं कि भाजपा सत्ता में कैसे बनी रहती है। वह कहानी भयावह है पर अब पूर्वानुमेय भी। असली कहानी यह है कि विपक्ष इतना मूर्ख कैसे बना रह सकता है? लोकतंत्र तब नहीं मरता जब एक पक्ष बहुत शक्तिशाली हो जाए; वह तब मरता है जब दूसरा पक्ष इतना अक्षम हो जाए कि कोशिश भी न करे।

आज भारत का संकट अधिनायकवाद की अधिकता से नहीं, कल्पना की कमी से है। सत्ता ने विपक्ष को चुप नहीं कराया; विपक्ष ने अपनी आवाज़ छोड़ दी है। और यदि आज भाजपा समय लिख रही है, तो इसलिए कि विपक्ष ने लिखना बंद कर दिया है।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : इतिहास - एक रात जिसने भारत को हिला दिया

2 दिसंबर, 1984 की वह काली रात भारतीय इतिहास के सबसे भयावह औद्योगिक त्रासदियों में से एक थी। मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक संयंत्र से मिथाइल आइसोसाइनेट (स्क्रुष्ट) नामक जहरीली गैस का रिसाव हुआ। मध्यरात्रि में जब शहर सो रहा था, तब लगभग 40 टन विषैली गैस हवा में फैल गई।

इस त्रासदी में तत्काल 3,000 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई, और अगले कुछ दिनों में यह संख्या 15,000 तक पहुँच गई। लाखों लोग प्रभावित हुए, जिनमें से कई आज भी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदा मानी जाती है।

इस त्रासदी की याद में और प्रदूषण से होने वाले खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

वह गलती - जिससे सीखना आवश्यक है- भोपाल गैस त्रासदी कोई दैवीय आपदा नहीं थी, बल्कि मानवीय लापरवाही और कॉर्पोरेट लालच का परिणाम थी। इस घटना से हमें कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं:

सुरक्षा से समझौता नहीं : संयंत्र में सुरक्षा उपकरण खराब थे। रेफ्रिजरेशन यूनिट बंद थी, गैस स्क्रबर काम नहीं कर रहा था, और फ्लेयर टॉवर रखरखाव के लिए बंद था। लाभ कमाने की होड़ में सुरक्षा को नजरअंदाज किया गया।

नियमों का पालन अनिवार्य है : कंपनी ने भारतीय सुरक्षा मानकों की अनदेखी की। घनी आबादी वाले क्षेत्र में खतरनाक रसायन संग्रहीत किए गए, जो किसी भी तरह से उचित नहीं था।

पर्यावरण और मानव जीवन अमूल्य हैं : औद्योगिक विकास महत्वपूर्ण है, लेकिन पर्यावरण और जनता की सुरक्षा से समझौता करके नहीं। विकास और सुरक्षा में संतुलन होना चाहिए।

जवाबदेही आवश्यक है : आपदा के बाद भी पीड़ितों को पूर्ण न्याय नहीं मिला। यह दर्शाता है कि जवाबदेही तंत्र मजबूत होना चाहिए।

प्रदूषण का वर्तमान परिदृश्य

आज, चालीस वर्ष बाद भी, भारत गंभीर प्रदूषण संकट का सामना कर रहा है:

वायु प्रदूषण : दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुँच जाता है। वाहनों का धुआँ, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण गतिविधियाँ और पराली जलाना प्रमुख कारण हैं।

जल प्रदूषण : गंगा, यमुना जैसी पवित्र नदियाँ औद्योगिक कचरे और सीवेज से प्रदूषित हैं। भूजल में भी रसायनों की मात्रा बढ़ रही है।

मृदा प्रदूषण : रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग, प्लास्टिक कचरा और औद्योगिक अपशिष्ट मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर रहे हैं।

ध्वनि प्रदूषण : शहरों में यातायात और निर्माण कार्य से शोर का स्तर स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो गया है।

भविष्य की ओर - समाधान और संकल्प- राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस केवल याद करने का दिन नहीं, बल्कि कार्य करने का संकल्प लेने का दिन है। हमें निम्नलिखित कदम उठाने होंगे:

व्यक्तिगत स्तर पर :

- सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या पैदल चलने को प्राथमिकता दें
- प्लास्टिक का उपयोग कम करें, पुनर्चक्रण को बढ़ावा दें
- पानी और बिजली की बचत करें
- वृक्षारोपण करें और हरित क्षेत्रों को बढ़ाएँ
- जैविक खेती को प्रोत्साहन दें

सामुदायिक स्तर पर :

- स्थानीय सफाई अभियान चलाएँ
- जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें
- कचरा पृथक्करण की व्यवस्था लागू करें
- प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाएँ

सरकारी और औद्योगिक स्तर पर :

- सख्त पर्यावरण कानूनों को लागू करें
- प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कड़ी कार्रवाई करें
- स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों में निवेश बढ़ाएँ
- इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दें
- नदियों और जल स्रोतों की सफाई को प्राथमिकता दें

तकनीकी समाधान :

- नवीकरणीय ऊर्जा - सौर, पवन, जलविद्युत का विस्तार
- प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का अनिवार्य उपयोग
- स्मार्ट शहरों का विकास जो पर्यावरण के अनुकूल हों
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्रदूषण की निगरानी

संदेश - आज की पीढ़ी के लिए- भोपाल त्रासदी हमें याद दिलाती है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ का परिणाम विनाशकारी होता है। जो लोग उस रात खो गए, वे वापस नहीं आएँगे, लेकिन उनकी याद में हम एक स्वच्छ, सुरक्षित भविष्य बना सकते हैं।

प्रदूषण कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि मानवता का प्रश्न है। यह अमीर-गरीब, हिंदू-मुस्लिम, शहरी-ग्रामीण सभी को प्रभावित करता है। स्वच्छ हवा, पानी और पर्यावरण हर इंसान का मौलिक अधिकार है।

आज जब हम राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाते हैं, तो यह प्रण लें कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ धरती सौंपेंगे। छोटे-छोटे कदम मिलकर बड़ा परिवर्तन लाते हैं। आज से ही, अभी से ही शुरुआत करें।

क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण केवल एक दिन का नहीं, 365 दिनों का संकल्प है।

धरती माता की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है, क्योंकि इसी धरती पर हमारे बच्चों का भविष्य है।

- वासवी राजू बरडे,
नागपूर, महाराष्ट्र

दिसंबर महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास

दिसंबर महीना धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। पूरे माह में कई व्रत, पर्व और पावन तिथियाँ आने वाली हैं, जो जीवन में सुख, शांति और सौभाग्य का संचार करती हैं। साल के अंतिम महीने दिसंबर में अगर बहुत सारी ठंड पड़ती है तो वहीं दूसरी ओर ये बहुत सारे उपवास और व्रत भी लेकर आता है, दूसरे शब्दों में कहा जाए तो दिसंबर का महीना हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष और पौष मास का संगम होता है। साल के अंतिम महीने में कई प्रमुख व्रत, पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं। धार्मिक आस्था, पूजा-पाठ और शुभ कार्यों के लिए यह महीना विशेष है। यहां हम आपके लिए लाए हैं व्रत और त्योहारों की एक पूरी लिस्ट, जिसको देखकर आप पूरे महीने की प्लानिंग आसानी से कर सकते हैं।

दिसंबर में पड़ने वाले प्रमुख व्रत और त्योहार

1 दिसंबर 2025, सोमवार- मोक्षदा एकादशी -गीता जयंती।
2. दिसंबर, मंगलवार को प्रदोष व्रत का विशेष महत्व रहेगा।
4. दिसंबर, गुरुवार को अन्नपूर्णा जयंती, दत्तात्रेय जयंती और मार्गशीर्ष पूर्णिमा का त्रिवेणी संगम पड़ेगा।
5. दिसंबर, शुक्रवार से पौष माह की शुरुआत होगी।
7. दिसंबर, रविवार को अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा।
15. दिसंबर, सोमवार को सफला एकादशी का शुभ अवसर है।
16. दिसंबर, मंगलवार को धनु संक्रांति तथा खरमास की शुरुआत होगी।
17. दिसंबर, बुधवार को एक बार फिर प्रदोष व्रत आएगा।
19. दिसंबर, शुक्रवार को पौष अमावस्या रहेगी।
24. दिसंबर, बुधवार को विनायक चतुर्थी का व्रत किया जाएगा।
27. दिसंबर, शनिवार को गुरु गोविंद सिंह जयंती मनाई जाएगी।
30. दिसंबर, मंगलवार को पौष पुत्रदा एकादशी का पर्व है।
31. दिसंबर, बुधवार को वर्ष का समापन बैकुंठ एकादशी के अत्यंत शुभ योग के साथ होगा।

किचन में न रखें ये चीजें

रसोई घर या किचन की ऊर्जा सकारात्मक होना बेहद जरूरी है। वहीं, कई बार हम जाने-अनजाने में रसोई घर में ऐसी चीज रख देते हैं, जिनसे नेगेटिव ऊर्जा का संचार होता है। किचन की नेगेटिव एनर्जी आपके भोजन को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है। इसलिए खुद को और परिवार को स्वस्थ रखने और घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए किचन में रखी इन चीजों को आज ही बाहर निकाल दें।

❐ कभी भी किचन में ज्यादा समय तक गुथा हुआ आटा नहीं रखना चाहिए। फ्रिज या किचन में रात भर के लिए गुथा हुआ आटा रखने से राहु और शनि के बुरा प्रभाव झेलने पड़ सकते हैं साथ ही नेगेटिव ऊर्जा भी बढ़ जाती है।

❐ कुछ लोग अपने किचन को

सजाने के लिए शीशे का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, किचन में लगा कांच का शीशा नेगेटिव ऊर्जा का कारण बन सकता है। रसोई घर में आईना लगाने से घर की सुख-शांति छिन सकती है।

❐ किचन में गंदगी नकारात्मक ऊर्जा का कारण बनती है। वहीं, कभी भी रात में किचन में जूठे बर्तन नहीं छोड़ने चाहिए। रातभर किचन में जूठे बर्तन रखने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं और आपकी आर्थिक स्थिति भी डगमगा सकती है।

❐ कुछ लोगों को किचन में दवाइयां रखने की आदत होती है। घर के रसोई में दवाइयां रखने से घर के सदस्यों खासतौर पर मुखिया की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए रसोई घर में दवाइयां न रखें।

आंखों पर ठंड का असर

सर्दियों के मौसम का कहर जारी है और उत्तर भारत में लोग ठंड से सिकुड़ रहे हैं। ऐसे में खानपान का और बॉडी का खास ख्याल रखने के लिए एक्सपर्ट बता रहे हैं। शरीर को केवल बाहरी लेयर से ही नहीं बल्कि अंदर से मजबूत बनाने की जरूरत होती है। जिससे कि इम्यूनिटी मजबूत रहे और शरीर गर्म रहे जिससे ठंड ना लगे। बॉडी के सारे अंगों की तरह ही आंखों की देखभाल भी जरूरी होती है। अक्सर घर से बाहर निकलते वक्त हम शरीर को तो अच्छी तरह से प्रोटेक्ट कर लेते हैं। लेकिन आंखों पर जरा भी ध्यान नहीं देते। जिसकी वजह से कई बार आंखों में ठंड लग जाती है और इन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तो चलिए जानें ठंड लग जाने पर आंखों में कौन सी दिक्कतें नजर आती हैं और इनसे कैसे बचा जाए।

ठंड लगने पर आंखों में दिखते हैं ये लक्षण:

ठंड की वजह से हवाओं में नमी नहीं रहती। वहीं घर के अंदर भी लोग हीटर, ब्लोअर चलाकर रखते हैं जिससे कि कमरा गर्म रहे। ऐसे में आंखों पर इसका बुरा असर पड़ता है और आंखों के नेचुरल टीयर्स खत्म होने लगते हैं। ऐसे में ये लक्षण दिखते हैं।

☛ आंखों में ड्राईनेस महसूस होती है।
☛ आंखों में खुजलाहट होती है

और इरिटेशन महसूस होती है।
☛ इसके साथ ही आंखों में लालपन रहता है और कई बार दर्द भी महसूस होता है।
☛ कम तापमान की वजह से वायरस तेजी से फैलते हैं और आंखों में ठंड की वजह से कई बार कंजेटिवाइटिस होने का भी डर रहता है।
☛ अगर आप बहुत ज्यादा देर ठंड में बाहर हैं और लगातार आंखों में सर्द हवाएं लग रही हैं तो इनकी वजह से कॉर्निया को भी नुकसान हो सकता है।

ठंड से आंखों को कैसे बचाएं:
☛ घर से निकलने के साथ ही सनग्लासेज जरूर लगाएं। ये चश्मे ना केवल धूप से बचाते हैं बल्कि सर्द हवाओं को सीधे आंखों पर लगने से भी प्रोटेक्ट करते हैं।
☛ आंखों में लूब्रिकेटिव आई ड्रॉप्स डालें, जिससे आंखों में ड्राईनेस की समस्या खत्म हो।
☛ घर और ऑफिस में जलने वाले हीटर और गर्माहट फैलाने वाली चीजों की वजह से ड्राईनेस हो जाती है। ऐसे में आंखों को मॉइश्चर देना जरूरी है।
☛ आंखों को बार-बार झपकाते रहें, जिससे कि आंखों में मॉइश्चर बना रहे।
☛ पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें भले ही प्यास ना लगे। इससे आंखों में भी मॉइश्चर बना रहता है।
☛ विटामिन एक, सी और ई से भरपूर फूड्स खाएं। गाजर, आंवला, मटर, सेम, चुकंदर, फूलगोभी, ये सारे फूड्स आंखों के लिए फायदेमंद है।

बच्चों के लिए हो प्यार भरा माहौल

माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित तथा प्यार भरा माहौल भी देना होगा,ताकि वे अपनी समस्याओं से अकेले जूझने की बजाय सहजता से अपनी समस्याएं और मन की बातें आपके साथ साझा कर सकें। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अब जागरूकता फैलाने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार माता-पिता को अपने बच्चे को सुरक्षित और खुशनुमा माहौल तैयार करना होगा, क्योंकि ज्यादातर समय बच्चों का अपने पैरेंट्स के साथ घर में बीतता है। ऐसे में हर माता-पिता को अपने नन्हें-मुन्ने बच्चों का ख्याल रखना जरूरी है, ताकि वे भविष्य में अच्छे नागरिक बन सकें। आइए जानते हैं बच्चों पर ध्यान देने योग्य बातें...

नियमित संवाद है जरूरी

अपने बच्चे के साथ खुला और सहज संवाद बनाकर रखें। उनकी भावनाएं समझने की कोशिश करें और यदि वह आपके साथ कुछ साझा करते हैं,तो उनके ऊपर भरोसा जरूर जताएं। उन्हें यकीन दिलाएं कि आप उनकी परेशानी समझती हैं और उसे सुलझाने के लिए हमेशा उनके साथ हैं।

बनाएं दोस्ती का रिश्ता

हमेशा माता-पिता की तरह व्यवहार करने के बजाय अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार कायम करें। उनके शौक का हिस्सा बनकर, तल्लीनता से उनकी बातें सुनकर और सामान्य गलतियों को हंसकर टाल देने से आपके और बच्चों के रिश्ते में मजबूती आएगी और वह आपसे बिना डरे अपनी बातें साझा कर सकेंगे।

कायम करें मिसाल

बच्चों का पहला स्कूल घर और पहले गुरु उनके अभिवाभक ही होते हैं। यानी उनमें अच्छी या बुरी आदतों की नींव घर से ही पड़ती है। इसलिए जरूरी है कि उनके सामने आप अपनी मजबूत और संवेदनशील छवि कायम करें। जो गुण आप उनके भीतर देखना चाहते हैं, उन्हें पहले अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। आपको देखकर बच्चे को खुद-ब-खुद आपके जैसा बनने की प्रेरणा मिल जाएगी।

थोड़ी ढील भी है जरूरी

बच्चों को अनुशासन सिखाना बहुत जरूरी है, लेकिन हर समय इसका पाठ पढ़ाने से वह तनाव की चपेट में आ सकता है। आज के जमाने में छोटी कक्षाओं से ही उन पर पढ़ाई और परीक्षाओं का बहुत दबाव होता है, इसलिए कभी-कभार उन्हें छुट्टी देनी भी जरूरी है, जिसमें वह सिर्फ खेल-कूद और मस्ती कर सकें। ऐसा करने से बच्चा न केवल तरोताजा हो जाएगा बल्कि उसे भरोसा भी होगा कि आप हर समय सिर्फ सख्ती नहीं बरतती हैं।

अच्छी आदतों को प्रोत्साहन

मानसिक सेहत दुरुस्त रखने के लिए शारीरिक स्वास्थ्य का अच्छा होना बहुत जरूरी है। इसलिए बचपन से ही अपने बच्चे में अच्छी आदतों की नींव डालें। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय से जागने और सोने का सही समय तथा भावनात्मक स्थिरता कुछ ऐसे अच्छे गुण हैं, जो उन्हें तनाव मुक्त रखने के लिए जरूरी हैं।

यथार्थवादी बनना सिखाएं

जीवन में सब कुछ हमारी मर्जी के मुताबिक नहीं होता है और ऐसा भी जरूरी नहीं कि हमेशा आप अव्वल ही आएं। अपने बच्चे को व्यवहारिक बनने का हुनर सिखाएं ताकि वह जीत की खुशी के साथ हार को भी सकारात्मक तरीके से स्वीकार सके। जब हम खुले दिल से परिणाम स्वीकारना सीख जाते हैं, तो तनावग्रस्त होने की आशंका अपने आप कम हो जाती है।

दिमाग को शांत रखता है मकरासन

आजकल की भागती-दौड़ती जिंदगी में तनाव लोगों के जीवन का एक हिस्सा बनकर रह गया है। जिससे निजात पाने के लिए वो कई तरह के उपाय भी आजमाते हैं,लेकिन समस्या जस की तस बनी रहती है। अगर आप भी अपने बिजी लाइफस्टाइल की वजह से अकसर तनाव से घिरे रहते हैं तो मकरासन को अपने रूटिन का हिस्सा बना लें। मकरासन संस्कृत के दो शब्द मकर और आसन से मिलकर बना है। मकर का अर्थ मगरमच्छ और आसन का मतलब पोज यानि पॉश्चर से होता है। अंग्रेजी में इस आसन को क्रोकोडाइल पोज भी कहा जाता है। मकरासन का नियमित अभ्यास व्यक्ति के अंगों को रिलैक्स करके मन को शांत रखने में मदद करता है। जिससे व्यक्ति को बैचेनी,डिप्रेशन,उलझन और माइग्रेन जैसी समस्या में राहत मिलती है।

मकरासन करने का तरीका

मकरासन करने के लिए सबसे पहले किसी खुली जगह पर अपना योगा मैट बिछाकर उस पर पेट के बल लेट जाएं। इसके बाद अपनी दोनों कोहनियों को जमीन पर टिकाते हुए अपना सिर और कंधे को ऊपर की तरफ ले जाएं। हथेलियों का स्टैंड बनाकर इस पर ठुड्डी को रखकर गहरी सांस लें और छोड़ें। अगर इस आसन को करते समय कमर पर ज्यादा जोर पड़ रहा हो,तो कोहनियों को हल्का और फैला दें। अब धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को नीचे से ऊपर की ओर ले जाते हुए धीरे-धीरे नीचे से ऊपर लेकर जाएं। यह एक चक्र होता है, इस तरह से आप दस चक्र कर सकते हैं।

मकरासन के फायदे

पेट की समस्या करें दूर

नियमित रूप से मकरासन का अभ्यास करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है। इस आसन का नियमित अभ्यास थकावट और बदन दर्द को दूर करके पेट की मांसपेशियों को टोन करके कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। जिससे पेट से जुड़ी हुई कई बीमारियां दूर हो सकती हैं।

सांस संबंधी समस्या

मकरासन श्वांस संबंधी दमा जैसी परेशानियों से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। मकरासन करते समय श्वास लेने और छोड़ने की वजह से व्यक्ति के फेफड़े मजबूत बनते है। स्वच्छ वायु अंदर लेने से छाती तंदुरुस्त रहती है जिससे श्वास संबंधी बीमारियों में लाभ मिल सकता है।

तनाव होता है दूर

मकरासन करने से हाइपरटेंशन व मानसिक रोगों से राहत मिलती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव दूर होने के साथ मन को शांत और एकाग्र बनाए रखने में मदद मिलती है। जिन बच्चों का पढ़ने में मन नहीं लगता, वे इस आसन को करेंगे तो उन्हें फायदा मिलेगा। ये आसान करने में बेहद सरल है कि कोई भी व्यक्ति आसन से कर सकता है।

कच्चे केले का चोखा

भरता....नाम सुनते ही कई लोग के मुंह में पानी आ जाता है। पूरी हो या फिर पराठा भरता काफी अच्छा लगता है। हालांकि, कुछ सब्जियां होती ही ऐसी हैं जिनका भरता ही बनाया जाता है जैसे- बैंगन आदि। मगर हर बार बैंगन का भरता नहीं खाया जा सकता, खाते-खाते हम बोर हो जाते हैं। इसलिए अब वक्त है कुछ नया ट्राई करने का, जी हां अगर आप चाहें तो कच्चे केले का भरता बनाकर खा सकते हैं। बता दें इसे आप न सिर्फ रोटी बल्कि लिट्टी के साथ भी सर्व कर सकते हैं। केले का भरता को कई लोग चोखा के नाम से भी जानते हैं और इसे सिर्फ लिट्टी के साथ बनाते हैं। बता दें कि कच्चे केले से आप बहुत आसानी से भरता बना सकते हैं। हालांकि, इसे बनाने के कई तरीके हैं जिसे लोग अपनी पसंद के हिसाब से बनाते हैं। मगर हम बिल्कुल बिहारी स्टाइल में चोखा तैयार करेंगे। वैसे तो बैंगन या आलू का चोखा बनाया जाता है, जिसे बनाने में काफी वक्त लगता है। मगर यकीन मानिए केले का चोखा बनाने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

बनाने का तरीका

चोखा बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले को धोकर पतले-पतले हिस्सों में काट लें। फिर प्रेशर कुकर में पानी डालकर केले को उबाल लें। केले को उबालने के लिए आप पतीली का इस्तेमाल कर सकते हैं। जब केले उबल जाएं तो मैश करके रख दें। मैश करने के लिए चम्मच की मदद ले सकते हैं। अब एक बड़ा बर्तन लें और 1 से 2 चम्मच तेल डालकर गर्म होने दें।

जब तेल गर्म हो जाए तो कटी हुई प्याज, टमाटर डालकर हल्का ब्राउन कर लें। प्याज पक जाने के बाद मैश किए हुए केले डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिक्स करने के बाद केले में तमाम मसाले जैसे- नमक, हरी चटनी, लाल मिर्च, अमचूर पाउडर, अदरक, धनिया के पत्ते आदि डाल दें। लगभग 10 मिनट तक पका लें और गैस बंद कर दें। बस आपका स्वादिष्ट चोखा तैयार है, जिसे आप लिट्टी के साथ सर्व कर सकते हैं।

हेल्दी हैबिट्स अपनाएं

बैलेंस डाइट

रोजमर्रा के खाने में हम जो भी खाते हैं उसका असर केवल शरीर पर ही नहीं बल्कि दिमाग पर भी होता है। इसलिए हमेशा हेल्थ को बैलेंस करने वाले फूड खाने चाहिए। अनाज, दाल, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स के सा ही थोड़ी मात्रा में कार्ब्स भी जरूरी है। साथ ही कैफीन, चाय, एल्कोहल, मीठे फूड को छोड़ने से मेंटल हेल्थ पर असर दिखने लगेगा।

मेंटली स्ट्रांग होना जरूरी है। इसका असर रोजमर्रा के कामों पर भी पड़ता है। हर दिन के छोटे-मोटे काम और बातों का असर अक्सर दिमाग पर होता है और इंसान स्ट्रेस या तनाव में आ जाता है। इस तरह के तनाव से निपटने के लिए हर दिन किए गए काम ही मदद करते हैं। अगर स्ट्रेस फ्री लाइफ जीनी है तो कुछ हेल्दी हैबिट्स को फॉलो करना शुरू कर दें। जिससे कि मेंटल हेल्थ पर असर ना पड़े।

फिजिकल एक्टीविटी है जरूरी

अगर आप दिनभर बैठे रहते हैं और फिजिकली काफी कम एक्टिव हैं। तो इसका बुरा प्रभाव मानसिक तनाव के रूप में भी दिखेगा। हर दिन किया गया फिजिकल वर्क शरीर में एंडोर्फिन हार्मोंस को बढ़ाता है। जो कि मूड बूस्टर हार्मोन है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

तनाव को कम करना है तो खुद की सांसों पर नियंत्रण जरूरी है। इसके लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज, योग, मेडिटेशन को डेली लाइफ में शामिल करें। ये सारी एक्सरसाइज दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। अगर आप तनाव की स्थिति में गहरी सांस लेना शुरू कर देते हैं तो ये आपको स्ट्रेस होने से रोक सकती है।

आर्गन ऑयल से पाएं चेहरे में निखार

चेहरे को निखरा और बेदाग बनाने के लिए हर दिन लड़के और लड़कियां स्ट्रगल करते हैं। ऐसे में एक तेल है जो इन समस्याओं को जड़ से खत्म कर सकता है। आर्गन ऑयल काफी मशहूर तेल है, जिसे आयुर्वेद में भी गुणकारी माना गया है। ये खास तरह के नट्स होते हैं जिनसे निकला तेल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस तेल को रोजाना लगाने से स्किन की इन समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

स्किन का ढीलापन खत्म करे

आर्गन ऑयल का इस्तेमाल एंटी एजिंग ट्रीटमेंट के लिए किया जाता है। इसे रोजाना चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बढ़ती है। जिससे स्किन में होने वाले ढीलेपन से छुट्टी मिलती है।

ऑयली स्किन के लिए फायदेमंद

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को चेहरे पर आर्गन ऑयल का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होता है। इस तेल को लगाने से स्किन में हो रहे ज्यादा सीबम प्रोडक्शन को रोकने में मदद मिलती है। जिससे स्किन का तैलीयपन कम होता है। रोजाना कुछ बूंद आर्गन ऑयल की लगाने से ऑयलीनेस दूर होती है।

स्ट्रेच मार्क्स कम करता है

आर्गन ऑयल स्किन के ढीलेपन को खत्म करता है। इसलिए अगर इसे स्ट्रेच मार्क्स पर लगाया जाए तो ना केवल स्ट्रेच मार्क्स को कम करता है बल्कि इसके निशान को भी हल्का करने में मदद करता है।

स्किन को मॉइश्चराइज करता है

आर्गन ऑयल स्किन को मॉइश्चराइज तेजी से करने में मदद करता है। इसीलिए इसका इस्तेमाल ज्यादातर क्रीम और मॉइश्चराइजर में किया जाता है। ये स्किन में पानी की मात्रा को बनाकर रखता है। जिससे स्किन हाइड्रेटेड रहती है और ग्लो भी करती है।

सन प्रोटेक्शन

आर्गन ऑयल स्किन को धूप से होने वाले डैमेज से बचाने में भी हेल्प करता है। सनबर्न, हाइपरपिग्मेंटेशन से आर्गन ऑयल बचाव करता है। आर्गन ऑयल की कुछ बूंदों को रोजाना लगाने से स्किन को ग्लो मिलता है और हाइपपिग्मेंटेशन की समस्या भी खत्म होने लगती है।

सुबह जल्दी उठने के फायदे

सुबह जल्दी उठने के कई फायदे होते हैं। साइंस के अनुसार, सुबह जल्दी उठना हमारे शरीर और दिमाग के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। सुबह के समय हमारा शरीर कॉर्टिसोल नामक हार्मोन का स्राव करता है जो स्ट्रेस को कम करने में मदद करता है। इसलिए सुबह जल्दी उठने से हम पूरे दिन के लिए तनाव मुक्त महसूस करते हैं। साथ ही, सुबह की ताजी हवा में सांस लेने से दिमाग में रक्त संचार बढ़ता है जिससे विचार करने,समझने और याद करने की शक्ति बेहतर होती है।

दिमाग तंदरुस्त

इसके अलावा, सुबह में व्यायाम और योग करने से भी दिमाग और शरीर दोनों ही बेहतर ढंग से काम करते हैं। शोधों से पता चला है कि सुबह के समय किया गया व्यायाम वजन कम करने और फिटनेस लेवल बढ़ाने में अधिक प्रभावी होता है। इस प्रकार, साइंस की दृष्टि से देखा जाए तो सुबह जल्दी उठकर हल्का व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद है। यह हमारे शरीर और दिमाग को तंदरुस्त बनाए रखने में मदद करता है।

तनाव कम होना

दरअसल, सुबह के समय हमारा शरीर कुछ खास हार्मोन्स बनाता है जिनसे हमारा मूड अच्छा रहता है। जो स्ट्रेस और तनाव कम करने का काम करता है। अगर हम सुबह 4-5 बजे के बीच में उठ जाएं, तो हमारा शरीर पर्याप्त मात्रा में कॉर्टिसोल बना लेता है। दिनभर के कामों को करने का मन बेहतर रहता है। यही कारण है कि सुबह की सैर या व्यायाम भी अधिक लाभदायक होता है। इसलिए डॉक्टर भी सुबह जल्दी उठने की सलाह देते हैं।

दिमाग होता है तेज

सुबह जल्दी उठने से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे हमारी याददाश्त और ध्यान देने की क्षमता बेहतर होती है। दरअसल, सुबह के समय हवा में ऑक्सीजन की मात्रा सबसे अधिक होती है। जब हम सुबह जल्दी उठकर हल्की सैर करते हैं या योगाभ्यास करते हैं, तो हमारे फेफड़ों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिलती है। यह ऑक्सीजन हमारे रक्त के जरिए दिमाग तक पहुंचती है और दिमाग को ताजा बनाती है। ताजा दिमाग से हमारी स्मरण शक्ति, ध्यान केंद्रित करने, विचार करने की क्षमता में सुधार होता है। यही कारण है कि डॉक्टर भी सुबह की सैर की सलाह देते हैं।

सुबह जल्दी उठने के फायदे

संक्षिप्त समाचार

पुलिस को चकमा देकर कांग्रेसियों ने पुतला दहन किया मुख्यमंत्री का

बिलासपुर । कांग्रेस नेताओं ने नेहरू चौक में पुलिस को चकमा देकर मुख्यमंत्री का पुतला जलाया । कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शहर सिद्धांशु मिश्रा और ग्रामीण अध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री ने नियुक्ति के दूसरे ही दिन राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन का आगाज कर दिया है। इस मौके पर निवृतमान अध्यक्ष विजय केशरवानी, विजय पांडेय समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। कांग्रेस भवन से कांग्रेसी पुतला लेकर निकले तो वहां पर बड़ी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद थे। नेहरू चौक के पहले ही कांग्रेस नेताओं ने चकमा देते हुए साथ में लेकर चल रहे पुतले को जला दिया।पुलिस वाले पुतला को बचाने दौड़ पड़े तो कांग्रेसी दूसरे रस्ते से एक और पुतला ले आए और उसे भी जला दिया। पुलिस को पुतला बुझाने मौका ही नहीं मिला। शहर के सभी थाना प्रभारियों की नेहरू चौक मे ड्यूटी लगाई गई थी ।

सारंगढ़ कलेक्ट्रेट में आयोजित किया गया जिला रेडक्रॉस शाखा का बैठक

स्वास्थ्य, सीपीआर और जूनियर रेडक्रॉस के शिविर प्रशिक्षण, ब्लड बैंक, वृद्ध आश्रम, समिति गठन पर हुआ चर्चा

सारंगढ़ बिलाईगढ़,/ कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे और जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे की उपस्थिति में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ शाखा द्वारा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। रेडक्रॉस के जिला समन्वयक लिंगराज पटेल ने बैठक के बिंदुओं को समिति के समक्ष साझा किया। बैठक में आशा निकेतन वृद्ध आश्रम सारंगढ़ के संचालन हेतु 5 अशासकीय सदस्यों की सहमति उपरांत संचालन किया जाने का निर्णय, रेडक्रॉस के जिला शाखा हेतु कार्यकारिणी समिति की गठन हेतु जिसमें चेयरमेन, वाइस चेयरमेन, सचिव, कोषाध्यक्ष, जिला समन्वयक, सक्रिय कार्यकर्ता का सदस्यों की नियुक्ति, आगामी वार्षिक कार्ययोजना, स्वास्थ्य शिविर एवं सीपीआर प्रशिक्षण कैंप, आगामी जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर प्रशिक्षण एवं विद्यार्थियों के लिए आवासीय शिविर में आवश्यक व्यवस्था में टेंट, भवन,माइक, लाइट, अतिथि सत्कार, भोजन व्यवस्था, रसोईया, पुरस्कार हेतु मोमेंट, प्रबंध समिति सदस्य के लिए आईकार्ड निर्माण, ब्लड शिविर, ब्लड बैंक स्थापना, बल्ड बैंक से अनुबंध, एम्बुलेंस सेवा आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा कर निर्णय लिया गया। इस बैठक में सभी सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

महात्मा ज्योतिबा के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

भिलाई। बुद्ध भूमि कोसा नगर में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पमाला अर्पण कर तथा मोमबत्ती की रोशनी के बीच श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यहां स्थापित शिक्षा महर्षि महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर बौद्ध कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेंद्र शेन्डे ने सभी सदस्यों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। सह सचिव गौतम डोंगरे ने ज्योतिबा फुले के समाज सुधार ,नारी शिक्षा और छुआछूत के प्रति रोकथाम के कार्यों के उल्लेख किए। उपाध्यक्ष माया सुखदेवे ने कहा कि महान क्रांतिसूर्य ज्योतिबा फुले को बाबा साहब अम्बेडकर अपना गुरु मानते थे। ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था तथा उनकी मृत्यु 28 नवंबर 1890 को पुणे में हुआ था। घनश्याम गणवीर ने कहा कि उन्हें महात्मा की उपाधि समाज सुधारक विट्ठल राव कृष्ण वाडेकर ने दी थी। ज्योतिबा फुले ने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की जिसका उद्देश्य जातीय सामान्य को बढ़ावा देना था उन्होंने अपनी पुस्तक 'गुलामगिरी' में जाति व्यवस्था तथा सामाजिक सुधार के लिए अपने विचारों को व्यक्त किया। जयेंद्र चिंचखेड़े ने कहा कि ज्योति बा ने विधवाओं की दयनीय स्थिति को समझा और युवा विधवाओं के लिए एक आश्रम खोला। सचिव ज्ञानचंद टेंभुर्णीकर ने बताया कि उन्होंने 1848 में अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खुला।

जितेन्द्र मुदलियार की नवनियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह, समर्थन और शुभकामनाओं की बाढ़

राजनांदगांव। जिला शहर कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष के रूप में जितेंद्र मुदलियार की घोषणा होते ही पूरे शहर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। शुक्रवार शाम नाम घोषित होते ही उनके निवास और शहर के प्रमुख स्थानों पर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। देर रात तक कार्यकर्ता उनके घर पहुँचकर शुभकामनाएँ देते रहे। आतिशबाजी और फूल-मालाओं के साथ कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता के अध्यक्ष बनने की खुशी खुलेपन के साथ मनाई।

जितेन्द्र मुदलियार ने अपनी नियुक्ति के तुरंत बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से दूरभाष पर चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने इन वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि संगठन द्वारा उन पर जो भरोसा जताया गया है, वे उसे पूर्ण निष्ठा के साथ निभाएँगे।

शनिवार सुबह जयस्तंभ चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुदलियार का भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उन्हें सम्मानित किया और पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर मुदलियार ने कहा कि जिला शहर कांग्रेस कमेटी को नई ऊर्जा, नए विस्तार और सक्रिय जनसंपर्क अभियानों की दिशा में और मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस के विचारों को घर-घर तक पहुँचाने का आह्वान किया।

मुदलियार ने कहा कि पार्टी द्वारा दिया गया यह दायित्व उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। आगे आने वाले दिनों में वे शहर में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, युवाओं और महिला कार्यकर्ताओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे लाने तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष तेज करने की रणनीति पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि शहर की समस्याओं, महँगाई, बेरोजगारी, अव्यवस्थित शहरी विकास और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों पर कांग्रेस की आवाज पहले से अधिक तीखी और संगठित होगी।

नवनियुक्त अध्यक्ष से मिलकर शुभकामनाएँ देने वालों में जिला ग्रामीण कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भागवत साहू, पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, राकेश जोशी, मामराज अग्रवाल, अशोक पंजवानी, गोपीचंद गायकवाड़, शिव अग्रवाल, प्रेम रुपचंदानी, भगवानदास सोनकर, नरेश साहू, युवराज भारती, सीताराम श्रीवास, लक्ष्मण साहू, राकेश चंद्राकर, वीरेंद्र चंद्राकर, ललित कुमार, बाबा राठौर, तुलदास साहू, देवेश रायचा, अक्षय रायचा, देवेश वैष्णव, हिमांशु वैष्णव, चेतन चंद्राकर, तजेंद्र वैष्णव, शुभम पांडेय, मोनिश धनकर, दिलू साहू, टिंकू साहू, शैलेश साहू, पिंकू खान, लोकू यादव, अभय सांखला, मोहन साहू, बंटी महाराज, प्रज्ञा गुप्ता, पंकज गुप्ता, खैरुन निशा, अब्दुल कलाम, महेश यादव, राजेश चम्पू गुप्ता, आशा अग्रवाल, अख्तर, राम रूचंदानी सहित बड़ी संख्या में समर्थक शामिल थे।

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर किए गए दुरुपयोग के विरोध में दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस ने किया प्रधानमंत्री मोदी और प्रवर्तन निदेशालय का पुतला दहन

जिला अध्यक्ष सलीम राजा उस्मानी के नेतृत्व किया गया पुतला दहन

दंतेवाड़ा, दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सोनिया गांधी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं संसद में नेता विपक्ष राहुल गांधी जी के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा दर्ज की गई एफ्आईआर को पूर्णत: राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया गया।जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा के नवनियुक्त अध्यक्ष की नेतृत्व में आयोजित इस विरोध कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी एवं प्रवर्तन निदेशालय (ED) के निदेशक राहुल नवीन के खिलाफअपना आक्रोश व्यक्त करते हुए पुतला दहन किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे और केंद्र सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हल्की झूमाझटकी भी हुई, परंतु कार्यकर्ताओं ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी मुर्दाबाद, (ED) डायरेक्टर राहुल नवीन मुर्दाबाद तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग के विरोध में अन्य नारे लगाए।जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार राजनीतिक विद्वेष के चलते केन्द्रीय एजेंसियों—प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर विभाग एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं—का दुरुपयोग कर विपक्ष को डराने, दबाने और परेशान करने की लगातार कोशिश कर रही है। यह पूर्णत: लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है और विपक्ष को समाप्त करने की मंशा का संकेत देता है।सलीम राजा उस्मानी ने स्पष्ट किया कि हम किसी भी प्रकार की तानाशाही प्रवृत्ति और राजनीतिक प्रतिशोध से डरने वाले नहीं हैं। नेशनल हेराल्ड मामला पूरी तरह निराधार एवं राजनीतिक प्रेरित है और अंतत: न्याय की ही जीत होगी। और मोदी-शाह की जोड़ी विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाकर लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयासों में लगी है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इन सभी प्रयासों का डटकर मुकाबला करेगी और लोकतंत्र एवं न्याय की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी।कार्यक्रम में जिला महामंत्री मनीष भट्टाचार्य,जिला महामंत्री विमल सलाम,ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल,ब्लॉक अध्यक्ष सुमित्रा सोरी,महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष इंद्र शर्मा,जिला पंचायत सदस्य तूलिका कर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा,जिला सयुक्त मंत्री जितेन्द्र कश्यप,अल्पसंख्या प्रदेश उपाध्यक्ष मनु वर्गीश,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीनल राय,पार्षद मनोज मालवीय, पार्षद एन नागराज,पार्षद जयप्रकाश नाग,पार्षद इंद्रा ठाकुर,पार्षद राधा नाग,कोषाध्यक्ष जयदीप मालवीय मनोज कौरव,संजय विश्वकर्मा,पार्षद अमृत टंडन,पंकज बनी,युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष उमेश कश्यप,जिला महासचिव संदीप राठौड़,युवा कांग्रेस ज्ञानेंद्र सिंह,त्रिशंक ठाकुर,भोलू यादव,वसीम खान, निकल तोपों, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लखोली वार्ड नंबर 32 में एसआईआर पुनरीक्षण फार्म भरने हेतु लगाई जा रही है सहायता शिविर

शिविर में अन्य वार्ड के मतदाता भी फार्म भरवाने व 2003 की सूची प्राप्त करने पहुंच रहे है

राजनांदगांव। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम तहत शहर के श्रमिक बाहुल्य क्षेत्र वार्ड नंबर 32 के अंतर्गत आने वाले मोहल्ले राहुल नगर, विकास नगर, राजीव नगर एवं जनता कालोनी में जगह जगह चौपाल लगाकर बीएलओ द्वारा वितरित गणना पत्रक फार्म को भरने मदद की जा रही है। वार्ड पार्षद गिरिजा संतोष निर्मलकर ने बताया कि इस संबंध में महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा द्वारा लगातार बैठक लेकर प्रगति की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने संबंधित बुथो के बीएलओ एवं प्रभारियों को कहा कि मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं की सूची तैयार करें। गणना पत्रक फार्म वितरण पश्चात वापसी की संख्या कम है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो इसका विशेष ध्यान रखकर कार्य करें। ज्ञात हो कि पार्षद गिरिजा संतोष निर्मलकर द्वारा मतदाताओं के सुविधा के लिए वार्ड के प्रमुख चौक चौराहे पर फार्म भरने हेतु लगातार सहायता शिविर लगाया जा रहा है। जिसे लोगों का अच्छा लाभ मिल रहा है। शिविर में अन्य वार्ड के मतदाता भी अपने फार्म भरवाने एवं 2003 की सूची प्राप्त करने बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं बता दें कि इस एसआईआर पुनरीक्षण फार्म भरने हेतु लगाए जा रहे सहायता शिविर में मतदाताओं को ज्यादा इंतजार करना नही पड़ रहा है और जल्द काम पुरा हो जा रहा है । इससे उन्हें राहत मिल रही है।

एसटीएफमें किया जा रहा है वार्षिक फायरिंग अभ्यास

० जिला पुलिस के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों का कराया जायेगा फायरिंग अभ्यास

दुर्ग। दिनांक 28.11.2025 से इकाई में पदस्थ समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को एस.टी.एफबघेरा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग के निर्देशन में फायरिंग अभ्यास कराया जा रहा है, लगातार अभ्यास से मनोबल में वृद्धि होती है, जिले के शत प्रतिशत अधिकारी/ कर्मचारियों का फायरिंग अभ्यास कराया जाएगा।

विकास खंड स्तरीय स्काउट गाइड तृतीय सोपान व निपुण जॉच शिविर राजेश गढ़तिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

अच्छे चरित्र निर्माण कर विषम परिस्थितियों से लड़कर सभी मजबूती से आगे बढ़ें-शीत गुप्ता

बसना (समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा,राज्य सचिव जितेंद्र साहू एवं राज्य प्रशिक्षण आयुक्त पूनम सिंह साहू के सफल मार्गदर्शन व जिला मुख्य आयुक्त चंद्रहास चंद्राकर,जिला आयुक्त विजय कुमार लहरे पदेन जिला शिक्षा अधिकारी व जिला प्रशिक्षण आयुक्त संतोष कुमार साहू के निर्देशानुसार विकासखंड बसना में तृतीय सोपान शिविर व निपुण जॉच शिविर का आयोजन दिनांक 27 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक आयोजित हुआ।जिसके समापन समारोह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत बसना के अध्यक्ष डॉ.खुशबू अग्रवाल,नगर पंचायत उपाध्यक्ष एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ के बसना अध्यक्ष शीत गुप्ता के अध्यक्षता में, जनपद सदस्य राजेश गढ़तिया जनपद सदस्य , सरपंच रीना रानी गढ़तिया, उपसरपंच संतोषी बंजारा,प्रधान पाठक रामनाथ साव, स्थानीय संघ के उपाध्यक्ष लोचना गजेन्द्र के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ।सभी अतिथियों का स्कार्फ लगाकर स्वागत किया गया।स्काउट गाइड द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सुवा,राउत नाचा, कर्मा,ददरिया,साहसिक गतिविधि में प्राथमिक उपचार एवं प्रहसन प्रस्तुति दिया गया। शिविर संचालक गिरीश पाढ़ी द्वारा शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

अतिथि डॉ.खुशबू अग्रवाल ने नारी शक्ति के बारे में बताते हुए कहा कि 卐आज की नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। वो चाहे हमारे देश की रक्षा की बात हो या किसी खेल प्रतिस्पर्धा में स्वयं को साबित करना हो। महिलाएं हमेशा से आगे रह रही है। आज की नारी दुर्गा है और समय आने पर वह काली का भी स्वरूप बन जाती है। भारतीय महिला टीम द्वारा क्रिकेट व कबड्डी विश्वकप जीतने के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए आगे उन्होंने कहा कि एक समय था जब बेटी से ज्यादा बेटा होने पर मिठाई पटाखे फोड़े जाते थे।

समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का अध्यक्षता कर रहे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के अध्यक्ष व नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता ने कहा कि

सभी आत्मनिर्भर बन समाज में अपना स्थान बनाकर देश को विकसित देश बनाने में सभी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।अच्छे चरित्र का निर्माण कर विषम परिस्थितियों से लड़कर मजबूती से आगे बढ़ने के लिए शिविरार्थियों,स्काउटर्स,गाइडर्स एवं उपस्थित नागरिकों को कहा।

विशिष्ट अतिथि राजेश गढ़तिया ने कहा कि स्काउटिंग व्यक्तिगत विकास के लिए एक बेहतरीन मंच है जो हमें आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता विकसित करने के अवसर प्रदान करता है।卐

सहायक जिला आयुक्त स्काउट एवं विकास खंड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे ने कहा कि स्काउट गाइड से हमारे चरित्र और व्यक्तित्व का विकास होता है तथा अनुशासित, ईमानदारी,जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करने हेतु प्रेरित करता है।

इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से स्काउट्स 120,गाइड्स 162 एवं प्रभारी स्काउटर,गाइडर 12,प्रशिक्षक मंडल 30,सर्विस रोवर 08,कुल 332 शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं।कार्यक्रम के अंत में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ बसना के अध्यक्ष शीत गुप्ता ने शिविर संचालक,सहायक शिविर संचालक, प्रशिक्षक दल,स्काउटर्स,गाइडर्स,प्रतिभागी छात्र -छात्राओं को सहभागिता हेतु धन्यवाद व आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए दौड़ना होगा।स्काउट,गाइड बच्चों को आत्मनिर्भर होकर अनुशासन में रहने का सीख देता है।

इस शिविर में शिविरार्थी सीख पाए

इस शिविर में शिविर संचालक गिरीश कुमार पाढ़ी एवं प्रशिक्षक दल द्वारा प्रार्थना,झंडा गीत,नियम,प्रतिज्ञा,राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत,स्काउटिंग के इतिहास,आंदोलन का ज्ञान,ध्वजों की जानकारी,ध्वज शिष्टाचार,दीक्षा संस्कार,टोली विधि, यूनिफार्म,प्रथम सोपान की गाँठें,प्राथमिक चिकित्सा,अनुमान लगाना,द्वितीय सोपान व तृतीय सोपान की गाँठें, लेसिंग,दिशाज्ञान,कंपास नक्शा का ज्ञान, आग जलाना व भोजन बनाना,एटीएम और मोबाइल का सुरक्षित इस्तेमाल करना,बेसिक इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का इस्तेमाल करना,घर के लिए छोटे-छोटे गैजेट बनाना,आग से जुड़े बचाव और सुरक्षा के नियम,ट्रैफिक नियम,आग बुझाने के तरीके,सूखी घास में लगी आग को काबू में करना,अग्निशमन यंत्र के प्रकार और उनका इस्तेमाल करना,कैम्पिंग कौशल,तैराकी सुरक्षा,पैयोनियरिंग प्रोजेक्ट आकलन तकनीक,बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा उपचार,रस्सी से गाँठें बाँधना,तम्बू खड़ा करना और उसे

खबर-खास

मछली मारने के दौरान मौत

गरियाबंद। सोमवार सुबह घने कोहरे और सन्नाटे से ढकी सुबह ने सोमवार को नहरगांव के लोगों को दहशत में डाल दिया। सुबह करीब 7 बजे, मछली पकड़ने के लिए निकले ग्रामीणों की नज़र नदी के किनारे पड़े एक शव पर पड़ी। करीब से देखने पर साफहुआ कि वह 60 वर्षीय काशी राम निषाद है,वही काशी राम, जो बीते दिन से मछली पकड़ने नदी गया हुआ था और अक्सर रात में अकेले जाकर मछली पकड़ता था।ग्रामीणों ने घटना की सूचना तुरंत थाने में दी।सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव की टीम मौके पर पहुंचे। मृतक को बाहर निकाला गया और तुरंत अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए ले गया।

जांच में प्राथमिक जानकारी यह सामने आई कि काशी राम का स्वयं की बड़ी है जहां सब्जी भाजी उगाने विद्युत कनेक्शन लिया था उस कनेक्शन से मछली पकड़ने का नया तरीका बनाकर अक्सर विद्युत तार डालकर मछली मारने का जोखिमपूर्ण तरीका अपनाता था लेकिन यही लापरवाही उसके मौत का कारण बन गया।

थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव ने बताया कि: घटनास्थल स्थल से सबूत एकत्रित किए जा रहे हैं पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के पश्चात ही मामले की जानकारी होगी।वही गांववालों से पूछताछ जारी है

कट्स इंटरनेशनल के एक अध्ययन ने कहा है कि एमएसएमई को राहत देने और उद्योगों के विकास के लिए एल्युमिनियम आयात शुल्क कम किया जाना चाहिए

रायपुर : कट्स इंटरनेशनल के एक नए नीति-पत्र ने भारत के सेकेन्डरी एल्युमिनियम उद्योग के सामने खड़ी एक अहम चुनौती को उजागर किया है—तेज़ी से बढ़ती इनपुट लागत, जो देश के विनिर्माण लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती है। खास तौर पर तब, जब घरेलू एल्युमिनियम की मांग मौजूदा 5.3 मिलियन टन से बढ़कर 2030 तक 8.3 मिलियन टन पहुँचने का अनुमान है।

अध्ययन का कहना है कि मौजूदा आयात शुल्क संरचना अनजाने में उन एमएसएमई पर दबाव डाल रही है, जो भारत की विनिर्माण मूल्य-श्रृंखला की रीढ़ हैं और विकसित भारत 2047 की दिशा में अहम भूमिका निभाते हैं।

छत्तीसगढ़: उद्योग परिवर्तन का अहम केंद्र- मिनरल और धातु उत्पादन में अग्रणी छत्तीसगढ़ इस चुनौती के बीच में है। कोरबा, बाल्को नगर समेत कई औद्योगिक इलाकों में बड़े एल्युमिनियम उद्योग मौजूद हैं, साथ ही हजारों एमएसएमई कास्टिंग, फैब्रिकेशन और अन्य डाउनस्ट्रीम गतिविधियों से जुड़े हैं। ये सभी मिलकर एक मजबूत एल्युमिनियम मूल्य-श्रृंखला बनाते हैं, जो रोजगार, कौशल-विकास और तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाती है।

लेकिन हाल के महीनों में प्राथमिक एल्युमिनियम की बढ़ती कीमतें—जिनमें 7.5 प्रतिशत आयात शुल्क का बड़ा प्रभाव है—एमएसएमई के लिए गंभीर चिंता का कारण बन रही हैं। कम मार्जिन पर चलने वाली यूनिटों के लिए थोड़ी भी लागत बढ़ोतरी अस्तित्व पर असर डाल सकती है।

एक उद्योग विशेषज्ञ के अनुसार, ₹छत्तीसगढ़ की एल्युमिनियम इंडस्ट्री केवल उत्पादन आंकड़े नहीं है—यह लाखों लोगों की रोज़गार और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ी है। एमएसएमई पर दबाव का असर पूरी मूल्य-श्रृंखला पर पड़ता है।

लैंगिक आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए 10 दिसंबर तक चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

कार्यक्रम की शुरूआत बेलटुकरी, धवलपुर एवं जिज़ार से की गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। लैंगिक आधारित हिंसा की रोकथाम एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2025 तक जिले में 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण केंद्र,गरियाबंद के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है।इस अभियान की शुरुआत फिंगेश्वर विकासखण्ड के शासकीय हाई स्कूल,बेलटुकरी एवं मैनपुर विकासखण्ड के शासकीय हाई स्कूल, जिज़ार एवं शासकीय हाई स्कूल,धवलपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर की गई।इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 तथा अन्य प्रचलित कानूनों की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम,दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961,पॉक्सों एक्ट सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण केंद्र द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर,नवा बिहान योजना,बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं,महिला हेल्पलाइन 181,महिला उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक शिकायत पोर्टल साइबर अपराध, गुड टच-बैड टच एवं स्पॉन्सरशिप योजना के संबंध में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया गया कि 0 से 18 वर्ष तक के किसी भी बच्चे के शोषण,उत्पीड़न या असहाय स्थिति में होने पर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है।जागरूकता अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ ग्रहण कराई गई तथा छात्र-छात्राओं के लिए खेल एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।कार्यक्रम का संचालन जिला मिशन समन्वयक सुश्री मनीषा वर्मा ने किया।

जिले में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जन-जागरूकता रैली निकाली गयी

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यूएस नवरत्न के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आज शासकीय भृगुनंदन चौधरी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं आई.टी.एस. महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा जन-जागरूकता रैली निकाली गई। चिकित्सा अधिकारियों ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह रैली बस स्टैण्ड,तिरंगा चौक गरियाबंद होते हुए आई.टी.आई.प्रशिक्षण संस्थान तक निकाली गयी।इसके पश्चात आई.टी.आई. प्रशिक्षण संस्थान परिसर में एड्स रोग की समस्या एवं समाधान विषय पर संगोष्ठी,स्वास्थ्य परिचर्चा, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं मानव श्रृखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि एड्स रोकथाम एवं जन जागरूकता में शिक्षित युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।एड्स से बचाव के लिए सुरक्षित जीवन शैली को अपनाने की अपील की।इस दौरान सिविल सर्जन डॉ.वाय.के.ध्रुव मौजूद थे।जिला नोडल अधिकारी डॉ.अमन हुमने ने कहा कि इस वर्ष 2025 का थीम व्यवधानों पर विजय पाए,एड्स की प्रतिक्रिया में सकरात्मक बदलाव लाएं एड्स जानकारी ही बचाव है,सही समय पर रोग की पहचान एवं उपचार आश्वयक है,संगोष्ठी एवं परिचर्चा किया जाना चाहिए ताकि एड्स की जानकारी छिपी न रहे।साथ ही थीम के अनुरूप इस वर्ग से संबंधित लोगो को समान भाव व व्यवहार से देखे एवं समुदाय से अपील की एड्स रोगी की पहचान उजागर न करें।

आईसीटीसी परामर्शदाता सतरूपा चंद्राकर ने एच.आई.व्ही एड्स संक्रमण फैलने के कारण जिसमें असुरक्षित यौन संबंध,संक्रमित सुई, संक्रमित रक्त संचरण एवं संक्रमित माता से गर्भस्थ शिशु को हो सकता है की जानकारी दी। एवं सिंगल विंडों एवं एच.आई.व्ही. एक्ट 2017 के तहत एच.आई.व्ही. मरीज की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाती है।कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी,एड्स विषय पर रंगोली, चित्रकला,परिचर्चा एवं भाषण कार्यक्रय आयोजित किया है।जिसमें सभी प्रतिभागी छात्र -छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन उमेश सोनी के द्वारा किया गया।इस दौरान डॉ.लक्ष्मीकात जांगडे,डॉ.देवेन्द्र साहू,गनपत नायक, आशा वर्मा,डॉ.योगेन्द्र रघुवंशी,टीकेश साहू, पोखराज साहू,रिकेश ताम्रकर,सर्वेश साहू, नवनीन यादव,कृतिमा साहू,अर्चा नाग,राकेश वर्मा उपस्थित थे।

बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए लक्ष्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास जरूरी: कलेक्टर उइके

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आज जिला पंचायत सभाकक्ष में अभिप्रेरणा अंतर्गत 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए कॉफी विद कलेक्टर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गौरव गरियाबंद अभियान के अंतर्गत किया गया।जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं की तिमाही परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के कुल 60 मेधावी विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया।इस दौरान कलेक्टर बी.एस.उइके ने विद्यार्थियों को कहा कि बोर्ड परीक्षा सफलता की पहली सीढ़ी है, वहीं प्रतियोगी परीक्षाएं भविष्य की दिशा तय करती हैं। दोनों में सफलता के लिए विद्यार्थियों को अभी से लक्ष्य निर्धारित कर एकाग्रता एवं अनुशासन के साथ पढ़ाई करनी चाहिए।उन्होंने कहा कि 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में मेरिट सूची में स्थान पाने के लिए पाठ्यक्रम की गहरी समझ,नियमित पुनरावृत्ति समयबद्ध अध्ययन और उत्तर लेखन का अभ्यास अत्यंत आवश्यक है।कलेक्टर ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक अर्जित करने के लिए विषयवार शॉर्ट नोट्स तैयार करें,पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों का नियमित अभ्यास करतें रहे,समय-सीमा में उत्तर लिखने की आदत डालें तथा उत्तर को बिंदुवार,साफ-सुथरी हैंडराइटिंग और सही प्रस्तुतीकरण के साथ लिखें। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास और आत्ममूल्यांकन से ही मेरिट में स्थान संभव है। कार्यक्रम में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रेरित किया गया।कलेक्टर ने कहा कि सिविल सेवा जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के लिए अभी से समसामयिक घटनाओं की जानकारी,नियमित समाचार-पत्र अध्ययन,सामान्य अध्ययन एवं वैचारिक स्पष्टता विकसित करना आवश्यक है।वहीं,मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं जेईई मेंस एवं जेईई एडवांस की तैयारी के लिए एनसीईआरटी आधारित अध्ययन, अवधारणात्मक स्पष्टता,नियमित मॉक टेस्ट और प्रश्नों के विश्लेषणात्मक अभ्यास पर विशेष ध्यान देना चाहिए।कार्यक्रम में मेंटर्स द्वारा विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए निरंतर अभ्यास, सिलेबस का समयबद्ध पूर्ण करना,विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों का अध्ययन तथा कमजोर विषयों पर विशेष कार्य करना आवश्यक है। विद्यार्थियों को गौरव गरियाबंद के ऑनलाइन क्लास के साथ-साथ अन्य विश्वसनीय ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन संसाधनों के माध्यम से निरंतर शिक्षक-मार्गदर्शन में अध्ययन करने की सलाह दी।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को मोबाइल के संतुलित एवं सकारात्मक उपयोग का संदेश देते हुए कहा कि मोबाइल का उपयोग ज्ञान अर्जन का माध्यम बने, न कि ध्यान भटकाने का।उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल उपयोग को केवल शैक्षणिक कार्यों तक सीमित रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ वन-टू-वन संवाद करते हुए कलेक्टर श्री उइके एवं जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर ने उनके प्रश्नों का समाधान किया तथा भविष्य निर्माण के लिए आत्मविश्वास,धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।साथ ही समाचार पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से पढ़ने को कहा।जिससे कि देश-विदेश एवं आसपास में हो रही घटनाओं के बारे में जानकारी मिल सकें। कार्यक्रम में वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से बोर्ड परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त करने हेतु उत्तर लेखन,आलेख,प्रस्तुतीकरण तथा समय प्रबंधन की तकनीकों की भी जानकारी दी गई।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने पुलगांव, सेवती, बोरई, बिरेझर, सलोनी और चारभांठा स्कूल का किया आकस्मिक निरीक्षण

विद्यार्थियों से चर्चा कर स्कूल में पढ़ाई की ली जानकारी

शिक्षकों को स्कूल परिसर की सफाई पर विशेष ध्यान देने के दिये निर्देश

धान उपार्जन केन्द्र बिरेझर भी पहुंचे

दुर्ग/ प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधी एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव आज दुर्ग जिले में ग्राम पुलगांव, सेवती और बोरई तथा राजनांदगांव जिले के बिरेझर, सलोनी एवं चारभांठा स्थित शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं और सीखने के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों व शिक्षकों की उपस्थिति, परिसर की स्वच्छता तथा उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों की स्थिति की गंभीरतापूर्वक समीक्षा की।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय चारभांठा में स्मार्ट क्लास के माध्यम से संचालित शिक्षण व्यवस्था का फीडबैक लिया और शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफ को बच्चों का प्रैक्टिकल एवं निर्धारित पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण कर आगामी परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने दुर्ग जिले के ग्राम बड़े बिरेझर में धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया और वहां उपस्थित किसानों से रू-ब-रू चर्चा कर धान खरीदी के संबंध में उनसे विचार साझा किये। इस दौरान किसानों से बारदाना की उपलब्धता, टोकन की स्थिति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक को धान खरीदी एवं उठाव और अन्य व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं पारदर्शी रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

Škoda Auto India ने भारत में अपने 25वें साल में 500,000 गाड़ियों की बिक्री का माइलस्टोन हासिल किया

Škoda Auto India भारत में अपनी ग्रोथ जारी रखे हुए है, भारत में अपनी एंट्री के बाद से 5 लाख यूनिट्स की बिक्री का लैंडमार्क पार कर लिया है। अपनी सिल्वर जुबली में, ब्रैंड पहले ही कई मंथली, क्वार्टरली और एनुअल माइलस्टोन हासिल कर चुकी है। और 2025 के आखिरी से पहले महीने में, ब्रैंड ने देश में 5,491 यूनिट्स बेचीं, जो पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 90% साल-दर-साल रिकॉर्ड ग्रोथ रहा। ग्रोथ पर कमेंट करते हुए, Škoda Auto India के ब्रैंड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, हमारा बढ़ता नेटवर्क, हमारी वैल्यू-ड्रिवन ओनरशिप ऑफरिंग, और बड़ा प्रोडक्ट पोर्टफेलियो मुख्य ड्राइविंग फोर्स रहे हैं, जिन्होंने हमारी 5 लाख लैंडमार्क सेल्स और हर महीने हमारी लगातार साल-दर-साल सेल्स ग्रोथ को बढ़ाया है। हम अपने प्रोडक्ट्स के साथ और अपने कस्टमर्स और अपने फैंस के करीब जाकर इस मोमेंटम को बनाए रखेंगे।

सेडान लेगेसी- Škoda Auto ने भारत में एक मजबूत सेडान लेगेसी के साथ खुद को स्थापित किया। 130 साल की ग्लोबल लेगेसी और भारत में 25 साल के इतिहास के साथ, Octavia ब्रैंड के लिए एक मजबूत लेगेसी रही है। अपनी 25वीं वर्षगाँठ पर ब्रैंड ने जो कई माइलस्टोन हासिल किए हैं, उनमें Octavia RS की वापसी भी शामिल है, जो भारत की सबसे पसंदीदा गाड़ियों में से एक है। भारत को अलॉट की गई हर Octavia यूनिट बुकिंग खुलने के 20 मिनट के अंदर बिक गई। और 1.0 TSI और 1.5 TSI फॉर्म में Slavia सेडान के साथ, Škoda Auto India भारत में अपनी सेडान लेगेसी को जारी रखे हुए है।

हर हौसले की उड़ान के लिए एक SUV - रुपए 7.5 लाख से लेकर Rs 45.9 लाख तक, Škoda Auto India के पास SUV का एक बड़ा पोर्टफेलियो है जो देश में हर ज़रूरत और ख्वाहिश को पूरा करता है। Kodiaq, जिसे पहली बार 2017 में भारत और दुनिया में पेश किया गया था, अपनी नई जेनरेशन में अपनी कीमत पर एक यूनिक लग्ज़री 4×4 ऑफरिंग के तौर पर जारी है। Kushaq, भारत के लिए बने, दुनिया के लिए तैयार MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर आधारित पहली Škoda गाड़ी है, जो लग्ज़री, टेक्नोलॉजी और Škoda के सिग्नेचर ऑन-रोड डायनामिक्स का मिश्रण देती है और ग्लोबल NCAP के नए, सख्त टेस्टिंग नॉर्म्स के तहत एडल्ट और चाइल्ड ऑक्यूपेंट दोनों के लिए पूरे फाइव स्टार पाने वाली भारत की पहली गाड़ी भी बन गई। इसके अलावा, सेफ्टी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए Kylaq SUV ने भारत NCAP के सेफ्टी टेस्ट में बड़ों और बच्चों की सेफ्टी के लिए पूरे पांच स्टार हासिल किए हैं।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, Durga Ghumde Husband Shri Vinayak Mahadev Ghumde, aged 61 years, resident of, I-102, Rishabh Prime City, Potia Durg, Tehsil and District Durg (C.G.),

have Change my old name Durga Husband Shri Vinayak Mahadev Ghumde, So in future I should be recognized by my new name Durga Ghumde Husband Shri Vinayak Mahadev Ghumde, that is in all my government/semi- government/financial institutions and other documents.

Durga Ghumde Husband Shri Vinayak Mahadev Ghumde, resident I- 102, Rishabh Prime City, Potia Durg, Tehsil and District Durg (Chhattisgarh).

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पिथौरा
जिला-महासमुन्द (छ.ग.)
//ईश्तहार//

रा.प्र.क्रं 202511120400018/अ/2/वर्ष 2025/26
ग्राम-लक्ष्मीपुर,प.ह.नं. 61
रा.नि.मं.-लहरौद,तहसील पिथौरा

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बबिता देवी पति रविरंजन राय निवासी ग्राम-लहरौद, तहसील पिथौरा, जिला महासमुन्द (छ.ग.) के द्वारा अपने स्वामित्व हक की ग्राम लक्ष्मीपुर, प.ह.नं. 61 रा.नि.मं. लहरौद, तहसील पिथौरा स्थित भूमि खसरा नंबर 127 कुल रकबा 0.25 हे. में से रकबा 0.0464 हे.(5000 वर्गफुट)को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुनर्निर्धारण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय नक्शा, खसरा,बी-1 ग्राम पंचायत का अभिमत, के साथ प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुनर्निर्धारण करने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तारीख 11.12.2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त होने वाली दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

आज दिनांक 28.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी(रा.)
पिथौरा जिला महासमुंद (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
//ईश्तहार//

रा.मा.क्र./ 202511101500076/अ-6/2025-26 पाटन, दिनांक 26.11.2025, ग्राम अमलीडीह, प.ह.नं. 08 तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रजनीकांत पाण्डेय पिता वी.पी.पाण्डेय निवासी भिलाई द्वारा मौजा ग्राम अमलीडीह प.ह.नं. 08 तह.पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 420, 706 रकबा क्रमश: 0.04, 0.46 हे.आवेदक के पिता बिसम्भर प्रसाद पिता भोला प्रसाद के नाम पर दर्ज है एवं खसरा नं. 467/2 रकबा 0.07 हे. भूमि सामिलात खाता में बिसंभर पिता भोलाप्रसाद के नाम पर दर्ज है। आवेदक के पिता बिसम्भर प्रसाद पिता भोला प्रसाद द्वारा आवेदक के पक्ष में वसीयतनाता दिनांक 31.12.2024 को दो गवाह स्नेहलता पाण्डेय पति कमलाकांत पाण्डेय एवं निमिषा अग्रवाल पति रविशंकर अग्रवाल के उपस्थिति में पंजीयन कार्यालय दुर्ग में निष्पादित कराया गया है। वसीयतकर्ता बिसम्भर प्रसाद पिता भोला प्रसाद की मृत्यु दिनांक 16.0.2025 को हो चुकी है। अत: आवेदक द्वारा उक्त भूमि को वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक द्वारा उक्त नाबालिक से बालिक एवं फौती नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनावाई दिनांक 12.12.2025 तक स्वयं या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय कीपदमुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

संक्षिप्त-खबर

शिव हनुमान मंदिर हरना बांधा में भागवत कथा आज से 8

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के विवेकानंद वार्ड नंबर 9 में श्री मनोकामना पूर्ति शिव हनुमान मंदिर प्रांगण खाम तालाब के पास संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 2 दिसंबर से 9 दिसंबर तक किया गया है । यह श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन समस्त भक्तगण एवं मोहल्ला वासी के सहयोग से किया जा रहा है । जिसमें कथा वाचक के रूप में आचार्य श्री पूर्णानंद तिवारी उपस्थित रहेंगे । इसके अलावा कार्यक्रम की शुरुआत 2 दिसंबर को वेदी पूजा एवं कलश यात्रा गोकरण कथा से प्रारंभ होगी । इसी प्रकार नियमित रूप से शुक्र देव परीक्षित संवाद, शिव सती, ध्रुव चरित्र, जड़भरत चरित्र,प्रहलाद चरित्र, गजेंद्र मोक्ष, वामन अवतार,राजा अम्बरीय कथा, गंगा अवतरण, रामकृष्ण जन्मोत्सव,नंद महोत्सव, बाल लीलाएं, गोवर्धन पूजा, मथुरा गमन, कंस वध, रुक्मणी विवाह, सुदामा चरित्र,परीक्षित मोक्ष, गीता, तुलसी वर्षा, पूर्णाहुति शोभायात्रा आयोजित है । साथ ही 11 विद्वानों द्वारा 11 पोथी(पुराण)की जावेगी । नियमित रूप से कथा का प्रारंभ होने का समय दोपहर 2:00 बजे होगी । जिसमें मोहल्लेवासीयों ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है ।

सिलीपर कोच मे बैडरोल,आन पेमेंट के आधार पर यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा

रायपुर / रेल यात्रियों की सुविधा को देखते हुए विभाग ने यात्रियों सुख सुविधा को नई व्यवस्था के अनुसार स्लिपर कोच में बेडरोल ऑन-डिमांड और ऑन-पेमेंट के आधार पर उपलब्ध होगा। यात्री चाहें तो यह सेवा प्राप्त कर सकेंगे और इसके लिए अतिरिक्त शुल्क देना होगा। रेलवे का मानना है कि गर्मी हो या सर्दी, लंबे सफ़र में यात्री आरामदेह यात्रा चाहते हैं, और यह सुविधा उन्हें बेहतर अनुभव देगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि शुरूआत में यह सेवा कुछ प्रमुख ट्रेनों में लागू की जाएगी, और सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर इसे देशभर में विस्तारित किया जाएगा। इस कदम से खासकर लंबी दूरी के यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है। यात्रियों ने भी रेलवे के इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका कहना है कि अब स्लिपर में सफ़र और अधिक आरामदायक व सुरक्षित हो जाएगा, क्योंकि प्रदान किया जाने वाला बेडरोल साफ और सैनिटाइज्ड होगा। रेलवे की यह पहल यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव को उन्नत और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा द्य

उपवास कर मुनी अनुत्तरसागर का बना, विश्व रिकॉर्ड

अनुत्तर महाराज जी ने 1000 से अधिक दिनों का मौन उपवास रखा

रायपुर / पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के मुनि संघ के मुनि अनुत्तर सागर जी महाराज ने 2400 से अधिक उपवास बिना अन्न और जल के किए हैं। अभी तक यह रिकॉर्ड विश्व में अकेला है। मुनि अनुत्तर सागर सबसे ज्यादा उपवास और मौन की क्रिया करते हैं। उनकी कठोर तपस्या को देखते हुए, बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में, जब उन्होंने 1400 उपवास पूरे किए थे। उस समय उसे दर्ज किया गया था। उसके बाद से यह क्रम चल रहा है। अभी तक मुनि महाराज ने अन्न- जल का त्याग करके अभी तक, 2400 उपवास कर चुके हैं। कठोर साधना और तपस्या का यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। मुनि अनुत्तर सागर एक दिन आहार लेते हैं फ़िर वह दो दिन बिना अन्न जल के उपवास रखते हैं। इस बीच वह मौन रहते हैं। इस तरह से उनकी उपवास की साधना लगातार चल रही है। यह कठोर साधना वह मोक्ष मार्ग में जाने के लिए कर रहे हैं।दिगंबर जैन मुनि 24 घंटे में सामान्य तौर पर एक बार आहार और जल ग्रहण करते हैं। कुछ साधक बीच-बीच में उपवास भी करते हैं। मुनि श्री अनुत्तर सागर जी एक दिन आहार के बाद 2 दिन का उपवास कर, अपनी कठोर साधना को निरंतर बढ़ा रहे हैं। कई बार इस अंतराल को वह और भी बढ़ा देते हैं।

निधन : डॉ महेंद्र यदु

पाटन। ग्राम गोडपेंडरी निवासी डॉ महेंद्र यदु 78 साल का आज सोमवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज 1 दिसंबर को शाम 4 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। वे डॉ प्रेमिश यदु के पिता थे।

निधन : श्रीमती मीना वर्मा

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम औंधी निवासी श्रीमती मीना वर्मा का रविवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे चुनूं राम वर्मा की पत्नी, सुनीता , पंकज, यशवंत वर्मा की मां तथा हीराधर और गजाधर वर्मा के भाभी थी।

नौवी बार ललितपुर विद्यालय में नेवता भोज का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन,प्रधान पाठक गफ्फार खान के कुशल नेतृत्व मे शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर मे मध्यान्ह भोजन पोषण योजना अंतर्गत 9 वी बार नेवता भोज का आयोजन आंशिक रूप से किया गया। नेवता भोज में सेब ,बालूशाही ,मिक्चर,चाकलेट बिस्किट , वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने लिया। नेवता भोज देने के लिए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने हीराधर और भीष्मदेव को धन्यवाद दिया है इस मौके पर उनके बच्चे पायल और कृष्णा उपस्थित थे इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा कि नेवता भोज की सफलता का बड़ा कारण सामाजिक सहभागिता है। न्योता भोज से बच्चों को पौष्टिक आहार मिलता है जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास को गति मिलती है।

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन 9वी बार होने पर प्रधान पाठक को बधाई दिए। ग्रापंचायत बी बनडबरी के सरपंच महोदया नोनी बाई ने कहा कि हमारा विद्यालय वनांचल क्षेत्र में होने के बावजूद लगातार नेवता भोज का आयोजन हो रहा ये बहुत बड़ी पुण्य का कार्य है। उन्होंने आह्वान किया की इस पुनीत कार्य में गांव के सभी व्यक्ति अपना योगदान दे। आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरू लाल, उपाध्यक्ष खेमकुमारी , कायतराम ,घुरऊराम ,बुधियारीन, मेहत्तरीन, सहायक शिक्षक प्रहलाद साहू,आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री आदि उपस्थित थे।

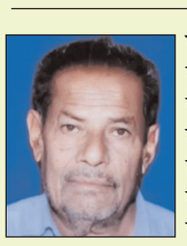

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,विकास खण्ड स्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे , जमदरहा संकुल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

जिले में अवैध धान परिवहन व भंडारण पर प्रशासन की कड़ी कार्रवाई जारी

- अभी तक 102 प्रकरणों में 9 हजार 369 क्विंटल धान जप्त
- राइस मिल में स्टॉक से अधिक संग्रहण पर 3020 कट्टा धान जप्त

महासमुंद (समय दर्शन)। महासमुंद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। इसके साथ ही अवैध धान परिवहन, संग्रहण और विक्रय पर रोक लगाने जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देश पर राजस्व, मंडी, खाद्य एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें जांच चौकियों, राइस मिलों और उपार्जन केंद्रों में लगातार छापेमारी कर रही हैं। राइस मिलों में भी स्टॉक वेरिफिकेशन का कार्य निरंतर रूप से जारी है।

जिले में अब तक कुल 102 प्रकरणों में 9369 क्विंटल से अधिक धान की जप्ती की गई है। इसी क्रम में आज खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने जिले की एक राइस मिल में बड़ी कार्रवाई की। स्टॉक वेरिफिकेशन के दौरान मिल में धान का स्टॉक घोषित मात्रा से अधिक पाया गया, जिसे मौके पर ही जप्त कर लिया गया। खाद्य अधिकारी श्री अजय यादव ने बताया कि पिथौरा स्थित रियांश राइस मिल राजाडेरा से कस्टम मिलिंग वर्ष 2024-25 का 3020 कट्टा धान स्टॉक से अधिक पाए जाने पर कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 का उल्लंघन के तहत जप्त किया गया।

इसी तरह संयुक्त टीम द्वारा बागबाहरा में अवैध परिवहन करते हुए 72 कट्टा धान जप्त कर थाना के सुपुर्द किया गया। इसके अलावा सरायपाली में धान का अवैध परिवहन करते हुए गाड़ी और 60 कट्टा धान को जप्त कर थाना सरायपाली के सुपुर्द किया गया। उन्होंने कहा कि जिले की सभी राइस मिलों में भौतिक सत्यापन का कार्य लगातार जारी रहेगा। स्टॉक में किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संस्थानों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सतत निगरानी जारी रहेगी।

बजरंग दल ने गौमाता के साथ दुष्कर्म और अनाचार करने वाले अपराधियों के खिलाफ पृथक से कड़े कानून बनाने की मांग

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश में गौमाता के साथ दुष्कर्म और अनाचार का मामला बढ रहा है। आये दिन ऐसे मामले हो रहे है, जो पूरे छत्तीसगढ़ को झकझोर देने वाले है।

इस पर छतीसगढ़ सरकार से अपनी मांगे रखते हुए बजरंग दल के संभाग सह-संयोजक सुनील सेन ने बताया कि छत्तीसगढ़ में गौ माताओं के साथ क्रूरता और जघन्य अपराध बढ़ते जा रहे है। कुछ दिनों पूर्व राजनांदगांव में भी एक शख्स असलम खान, उम्र 56 वर्ष द्वारा गौमाताओं से दुष्कर्म किया गया, जो शहर के सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ, इस कृत्य का एफ़आईआर कोतवाली थाना राजनांदगांव में की गयी। ऐसा ही दुष्कृत्य रायपुर में भी आलम नामक व्यक्ति द्वारा किया गया था। वहीं घुमका-गोपालपुर के एक शख्स नदीम खान उर्फ अब्दुल नाहिद और साहिल खान के द्वारा भी गौवंशों के साथ अनर्गल कृत्य करते वीडियो वायरल हुआ था, उन सभी पर मामला पंजीबद्ध कराया गया है, किन्तु आईपीसीबीएनएस हो या छत्तीसगढ़ पशु संरक्षण अधिनियम किसी मे भी इस अपराध के लिए कोई पृथक से धारा या कानून नहीं है, इसलिए विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल राजनांदगांव द्वारा जिला दंडाधिकारी के हाथों मुख्यमंत्री विष्णुदेव के नाम ज्ञापन सौंपकर गौ माता के साथ दुष्कर्म करने वाले अपराधों पर नयी धारा जोड़ी जाए, जिसमें सजा कम से कम 10 वर्ष का कठोर कारावास और 5 लाख तक के अर्थदंड से दंडित किया जाए, मांग की गई है। साथ ही गौ-माता के साथ अनाचार या क्रूरता करने वालों पर फ़ॉस्ट-ट्रैक न्यायालय में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संबंधित अपराधों को गैर-जमानती श्रेणी में शामिल करने पर विचार किया जाए।

गांवों, नगरों और गौशालाओं में निगरानी, सीसीटीवी व्यवस्था एवं त्वरित शिकायत प्रणाली उपलब्ध कराई जाए। पशु सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों को ऐसे मामलों में तत्काल एफ़आईआर एवं गिरफ्तारी के निर्देश जारी किए जाएं।

अधिकांश मामलों में देखा गया है कि एक धर्म विशेष के व्यक्तियों द्वारा ही यह कृत्य किया जाता है, इससे उनकी मानसिकता स्पष्ट दिखती है के गौमाता के साथ ऐसा अनाचार हिन्दू समाज को अपमानित करने का बार-बार प्रयास हो रहा है। वर्तमान समय में गौ-माता के साथ अनाचार, क्रूरता, दुर्व्यवहार तथा अनैतिक कार्यों की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। यह न केवल हमारी संस्कृति, धर्म और सामाजिक मूल्यों के विरुद्ध है, बल्कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम तथा संबंधित दंडात्मक प्रावधानों का गंभीर उल्लंघन भी है। अत: वर्तमान सरकार से विनम्र अनुरोध है कि ऐसे जघन्य कृत्यों पर कठोरतम दंड का स्पष्ट कानूनी प्रावधान किया जाए।

करणी कृपा प्लांट की पाइपलाइन के लिए किसानों की जमीन पर अवैध बुलडोजर

- विरोध करने वालों को जेल
- किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानिक साहू ने ठेकेदारों और प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप
- करणी कृपा प्लांट की पाइपलाइन के लिए किसानों की जमीन पर अवैध बुलडोजर,विरोध करने वालों को जेल
- किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानिक साहू ने ठेकेदारों और प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

महासमुंद(समय दर्शन)। गोपालपुर एनीकट जो किसानों और पशुओं की निस्तारी के लिए बनाया गया था, उसके आसपास के गाँवों में करनी कृपा एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के पाइपलाइन ठेकेदारों ने आतंक मचा रखा है। बिना पंचायत प्रस्ताव, बिना ग्राम सभा की सहमति और बिना किसी वैधानिक अनुमति के ठेकेदार भारी मशीनों और ट्रकों से छोटे-छोटे गाँवों की सड़कों पर दौड़ लगा रहे हैं, कृषि भूमि की अवैध खुदाई कर रहे हैं और विरोध करने वाले किसानों-ग्रामीणों को खुलेआम धमकाया जा रहा है। किसान नेता एवं किसान कांग्रेस के महासमुंद जिला अध्यक्ष मानिक साहू ने विज्ञप्ति जारी कर ठेकेदारों और स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मानिक साहू ने कहा- तुमगाँव और आसपास के गाँवों के किसान भय के साए में जी रहे हैं। ठेकेदारों के भारी वाहन गाँव की संकरी सड़कों को तोड़ रहे हैं, फ़सलें बर्बाद कर रहे हैं, लेकिन जब किसान विरोध करते हैं तो उन पर झूठे मुकदमे ठोंक कर जेल भेजा जा रहा है। सबसे शर्मनाक घटना यह हुई कि जब गाँव के कुछ लोग प्लांट के बाहर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति स्थापित कर रहे थे, तब भी पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि वास्तविक दोषी ठेकेदार खुलेआम घूम रहे हैं। सरपंच पति को भी लूटपाट के झूठे केस में जेल भेज दिया गया सिर्फइसलिए क्योंकि उन्होंने ठेकेदारों का विरोध किया था।

साहू ने आगे कहा,की ग्रामीण थाने में शिकायत करते है लेकिन महासमुंद की पुलिस ठेकेदारों के इशारे पर ही चल रही है। किसान फोन करें तो पुलिस नहीं आती, ठेकेदार फोन करें तो तुरंत हाजिर होकर किसानों को ही धमकाने लगती है। यह लोकतंत्र नहीं, ठेकेदार-तंत्र है। गोपालपुर एनीकट किसानों की जीवनरेखा है, उसकी जल-स्तर को खतरे में डालकर सिर्फएक निजी प्लांट के लिए यह सब हो रहा है। हम यह बर्दाश्त नहीं करेंगे।

किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष मानिक साहू ने चेतावनी दी है कि अगर अवैध खुदाई और किसानों पर दमन तत्काल नहीं रुका तो किसान कांग्रेस पूरे महासमुंद जिले में बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होगी। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने कहा है कि पिछले कई दिनों से लगातार गाँव-गाँव जाकर किसानों संपर्क कर रहे हैं। ग्रामीणों ने श्री साहू को बताया है कि ठेकेदार अपनी मर्जी से सारे नियम कायदे कानून को तांक पर रख कर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय और नवोदय विद्यालयों में 14967 पदों पर भर्ती-आवेदन की अंतिम तिथि 4 दिसंबर 2025

नईदिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) के लिए एक संयुक्त भर्ती अधिसूचना जारी की है। विज्ञापन संख्या 01/2025 के नाम से जारी अधिसूचना के साथ ही भर्ती आवेदन पत्र भी 14 नवंबर 2025 को जारी कर दिया गया है। एनवीएस केवीएस भर्ती आवेदन की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है। एनवीएस केवीएस भर्ती आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर को रात 11:50 बजे है। केंद्रीय एवं नवोदय वि?द्यालयों में टीटिंग और नन-टीचिंग पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा का संचालन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्चस्श्व) द्वारा किया जाएगा। उम्मीदवार एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं, लेकिन प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग आवेदन शुल्क देना होगा। इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से करीब 14,967 पदों पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी जिनमें केवीएस के लिए 9126 पद और नवोदय विद्यालय के लिए 5841 पद के अलावा बैकलॉग के पद शामिल हैं। इस भर्ती अधिसूचना में शामिल पदों के लिए अधिसूचित रिक्तियां अस्थायी हैं और बढ़ या घट सकती हैं। इस भर्ती में पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (PGT), ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (TGT), प्राइमरी टीचर (PRT), प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल, लाइब्रेरियन सहित कई अन्य पद शामिल हैं। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से होगा।

सफलता की कहानी : ऑनलाइन टोकन ने दिलाया भीखमलाल को उनकी मेहनत का फल

दुर्ग/ जिले के कुर्मीगुंडरा गांव के किसान श्री भीखमलाल वर्मा हर साल की तरह इस बार भी अपनी खेती की मेहनत के साथ खरीदी केन्द्र की ओर उम्मीद से देख रहे हैं। साल भर खेत में धूप, बारिश का डर और कीचड़ भरे खेतों में घंटो खड़े होकर मेहनत करने वाले श्री भीखमलाल के लिए धान खरीदी का सीजन किसी त्यौहार से कम नही है। धान खरीदी प्रत्येक किसान के लिए त्यौहार जैसा ही होता है क्योकि इसी पर उनके परिवार का पूरा साल निर्भर रहता है। किसान श्री भीखमलाल वर्मा ने ऑनलाइन टोकन कटवाकर उपार्जन केन्द्र कुर्मीगुण्डरा खरीदी केन्द्र पहुंचे।

श्री भीखमलाल वर्मा अपने हाथों में टोकन लेकर चैन की सांस ली क्योंकि उनके मेहनत का धान सुरक्षित तौला जाएगा। उनका धान का रकबा 2.38 हेक्टेयर है। दो टोकन जारी होने के बाद कुल 123 क्विंटल धान बेचा गया। जब वह टोकन लेकर उपार्जन केन्द्र पहुँचे, तो भीखमलाल के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उन्होंने मन ही मन कहा कि अब काम जल्दी हो जाएगा। एक टोकन ही उन्हें मेहनत की कीमत दिलाएगा। मेहनत का हर दाना घर की जरूरतें, बच्चों की पढ़ाई और पूरे साल का खर्चे को पूरा करेंगे।

स्वदेशी मेला 2025-26 : भूमि पूजन संपन्न, 18 से 25 दिसंबर तक साइंस कॉलेज ग्राउंड में लगेगा भव्य मेला

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय विपणन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित होने वाला प्रतिष्ठित स्वदेशी मेला 2025-26 इस वर्ष 18 से 25 दिसंबर तक साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित होगा। मेले के आयोजन से पूर्व 1 दिसंबर की सुबह 9:30 बजे भूमि पूजन कार्यक्रम विधिवत सम्पन्न हुआ।
भूमि पूजन में गणमान्यजनों की उपस्थिति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत सिंह साहब तथा महापौर श्रीमती मीनल चौबे उपस्थित रहीं।

मेला संयोजक श्री केदारनाथ गुप्ता अपनी धर्मपत्नी के साथ भूमि पूजन में उपस्थित हुए। इसके अलावा सहसंयोजक श्री जसप्रीत सिंह सलूजा, स्वागत समिति अध्यक्ष आनंद सिंघानिया, स्वागत समिति सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच जगदीश पटेल, प्रांत मेला प्रमुख अमर बंसल, प्रबंधक भारतीय विपणन विकास केंद्र सुब्रत चाकी, महिला मेला प्रमुख आरती दुबे, सह महिला प्रमुख सीमा शर्मा, एवं सामाजिकङ्कसांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्यजन सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित अन्य सदस्य एवं समाजसेवी- उमेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, युगबोध अग्रवाल, प्रवीण मैशेरी, डॉ. सलीम राज, शताब्दी पांडे, डॉ. इला गुप्ता, शीला शर्मा, इंदिरा जैन, विवेक बर्धन, सुधीर फौजदार, विनय शर्मा, बिहारी होतवानी, अश्विन प्रभाकर, दिग्विजय भाकरे, सुचित्रा बर्धन, निधि झा, शकुंतला श्रीवास, अर्चना भाकरे, उमा शुक्ला, रैहाना खान, सुनीता चंसोरिया, सुनीता पाठक, निशा संमदुलकर, अर्चना वोरा, सीमा कटंककार, खुशबू शर्मा, लक्ष्मी जीलहरे, सविता मौर्या, अंजलि देशपांडे, राजमोहन बाग, राहुल देव पंत देवेंद्र गुप्ता सहित कई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

350 से अधिक स्टॉल, अनेक प्रतियोगिताएँ- प्रबंधक सुब्रत चाकी ने बताया कि स्वदेशी मेला हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य स्वरूप में आयोजित होगा। मेले में

350 से अधिक स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे सुई से लेकर बड़े मशीनरी स्तर तक की वस्तुएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेंगी

प्रतिदिन मेहंदी, रंगोली, चित्रकला, समूह नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताएँ होंगी

हजारों प्रतिभागियों को मंच प्रदान किया जाएगा

विभिन्न राज्यों की संस्कृति और खान-पान होगा आकर्षण- मेले में छत्तीसगढ़ के साथ गुजरात, राजस्थान, पंजाब, ओडिशा, आंध्रप्रदेश तथा अन्य राज्यों की संस्कृति, लोक नृत्य और पारंपरिक भोजन के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रतिदिन मंच पर लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मेले की विशेष आकर्षण होंगी।

संगोष्ठियाँ भी होंगी आयोजित- मेले के दौरान समसामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें विषय विशेषज्ञ अपनी बातें रखेंगे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26